RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः345, शनिवार, 31 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

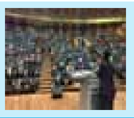

स्वच्छ एवं कदाचार-मुक्त वातावरण में होगी इंटरमीडिएट परीक्षा : जिला प्रशासन 03

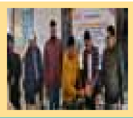

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यशाला का आयोजनः नवाचार से संवरेगा छात्रों का भविष्य 04

श्रुति हासनः विरासत से नहीं, टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका 07

कार -ट्रक की जोरदार टक्कर, चार की मौत

- बुरी तरह फंसे हुए थे शव, ग्वालियर में घने कोहरे के कारण हादसा

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में शुक्रवार सुबह घने कोहरे के बीच सड़क हादसा हो गया। भिंड रोड हाईवे पर बंटू ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने वैगनआर कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सभी भिंड जिले के हैं। सुबह करीब 8 बजे जैसे ही इनकी कार बंटू ढाबा के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को रौंद दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा निवासी मेहगांव (भिंड), ज्योति यादव (भिंड), भूरे प्रजापति (गोरमी) भिंड और उमा राठौर पत्नी पति राम राठौर, निवासी मोरोली भिंड के रूप में हुई है। सौरभ बीएससी एग्रीकल्चर का पेपर देने आगरा जा रहा था। कार उसके भाई की है। रास्ते में उसे ग्वालियर के लिए सवारी मिल गई, जिनकी हादसे में मौत हो गई। ज्योति की बहन नीलम यादव ने बताया कि हमें सुबह सूचना मिली थी कि मालनपुर में एक्सीडेंट हुआ है। कार में मेरी बहन भी आ रही थी। उसे मथुरा जाना था, इसलिए वह गोरमी से निकली थी। ज्योति के 2 बच्चे हैं। वह अकेली घर से निकली थी। सौरभ के भाई अंकित ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे सौरभ घर से निकला था। उसकी उम्र 24 साल थी। परिवार में 2 भाई और एक बहन है। बता दें आज सुबह ग्वालियर में विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर तक थी।

टक्कर मारने के बाद झाड़ियों में जा घुसा ट्रक

टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के दाहिने हिस्से में झाड़ियों में जा घुसा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने चारों शवों को कार से बाहर निकालकर कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह घना कोहरा और तेज रफ्तार बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। इस हादसे के बाद इलाके में कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। एक्सीडेंट के बाद ट्रक ड्राइवर ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

खुशखबरी ! रेलवे ने बदले तत्काल बुकिंग के नियम

- अब सिर्फ एक क्लिक पर ही मिल सकेगा कंफर्म टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए अपनी तकनीक और नियमों को पूरी तरह अपडेट कर दिया है। पिछले कई वर्षों से यात्रियों की शिकायत थी कि बुकिंग शुरू होते ही कुछ ही सेकंड में टिकट खत्म हो जाते हैं। रेलवे का दावा है कि नए सिस्टम से अब वास्तविक यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना काफी बढ़ जाएगी। नए नियमों के तहत अब केवल पूरी तरह सत्यापित अकाउंट से ही तत्काल टिकट बुक किए जा सकेंगे। अब यात्रियों को अपना अकाउंट आधार कार्ड से लिंक करना होगा। बिना वेरिफिकेशन वाले या अधूरे प्रोफाइल वाले अकाउंट्स को तत्काल विंडो के दौरान ब्लॉक कर दिया जाएगा। बुकिंग के समय यात्री को वही पहचान विवरण देना होगा जो उसके आधार या सरकारी आईडी से जुड़ा है। इससे फर्जी नामों से टिकट बुक करने और उन्हें ऊंचे दामों पर बेचने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। रेलवे ने इस बार तकनीक के मोर्चे पर भी बड़े बदलाव किए हैं। बुकिंग के शुरुआती मिनटों में ऑटो-फिल टूल्स और स्क्रिप्ट्स को रोकने के लिए सॉफिस्टिकेटेड टेक्निकल फिल्टर्स लगाए गए हैं। इससे अब सॉफ्टवेयर के जरिए पलक झपकते ही टिकट उड़ा लेना मुमकिन नहीं होगा। यात्रियों की सबसे बड़ी शिकायत पेमेंट फेल होने की रहती थी। नए सिस्टम में पेमेंट गेटवे को और अधिक फास्ट और सुरक्षित बनाया गया है, जिससे आखिरी स्टेप पर टिकट कैंसिल होने का डर कम होगा। तत्काल विंडो खुलते ही शुरुआती समय में एजेंटों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

उनके लिए नए प्रतिबंध और ट्रैकिंग टूल्स लागू किए गए हैं ताकि आम जनता को प्राथमिकता मिल सके। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यदि आपका प्रोफाइल पहले से अपडेटेड और आधार से लिंक है, तो आपको कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना पिछले वर्षों के मुकाबले कई गुना ज्यादा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे बुकिंग समय से पहले अपना इंटरनेट कनेक्शन और प्रोफाइल की स्थिति जांच लें। 2026 के ये नए नियम रेलवे बुकिंग में पारदर्शिता बहाल करने और सिस्टम पर लोगों का भरोसा फिर से जगाने की एक कोशिश है। तकनीकी सुधार और अनिवार्य पहचान सत्यापन के माध्यम से रेलवे ने दलालों और सॉफ्टवेयर के अवैध इस्तेमाल पर सीधा हमला किया है।

यूरोप में धड़ाधड़ एंट्री प्रवेश की राह आसान

- ईयू ने भारत के लिए खोल दिए पांच महत्वपूर्ण 'दरवाजे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच हाल ही में मुक्त व्यापार समझौता हो गया है। 27 यूरोपीय देशों ने भारत के लिए अपने प्रवेश की राह आसान हो जाएगी। यूरोपीय यूनियन से भारत को ये 5 उपाय मिले हैं। एक अंग्रेजी अखबार के अनुसार, मोस्ट फेवर्ड नेशन जैसा दर्जा है, जिसके तहत भारत को यूरोपीय संघ से यह आश्वासन मिला है कि यदि भविष्य में किसी अन्य देश को एफटीए से संबंधित कोई नई छूट दी जाती है, तो हाल ही में हस्ताक्षरित ऐतिहासिक एमओयू के मद्देनजर वही छूट भारत को भी दी जानी चाहिए। दूसरा, भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एक तकनीकी कार्य समूह और संवाद शुरू करेंगे ताकि भारतीय उद्योग के लिए एफटीए से संबंधित सभी मुद्दों पर पूरी पारदर्शिता लाई जा सके।

दरवाजे खोल दिए हैं। इस मामले में यूरोपीय यूनियन ने भारत को 5 आश्वासन दिया है। यह है कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म व्यवस्था, जिसके लागू होने से भारतीय इंडस्ट्री की यूरोप में

- सत्यापन तंत्र पर मिला भारत को भरोसा- तीसरा, भारत ने यूरोपीय संघ के सत्यापन तंत्र पर भी कुछ हद तक आश्वासन प्राप्त किया है कि भारतीय संस्थाओं को सबसे महत्वपूर्ण सत्यापन व्यवस्था में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। जनवरी 2026 से, यूरोपीय संघ के बाहर के हर एक उत्पादक के लिए ग्रीनहाउस गैसों और कार्बन उत्सर्जन डेटा की सटीकता पर एक घोषणा करनी अनिवार्य है।

अजित पवार के निधन के बाद विभागों पर खींचतान

रार बढ़ने की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन से सियासी हलचल भी तेज हो गई है। एनसीपी ने उनके विभागों पर अपना दावा ठोंक दिया है। सूत्रों के अनुसार, अजित पवार गुट के बड़े नेता मुख्यमंत्री

देवेंद्र फडणवीस पर दबाव बनाने में लगे हुए हैं। अजित पवार के पास मुख्य रूप से वित्त विभाग, प्लानिंग डिपोर्टमेंट और आबकारी जैसे महत्वपूर्ण विभाग थे, जबकि अतिरिक्त प्रभार के तौर पर खेल एवं युवा कल्याण तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग भी उनके पास थे।

क्रैश हुई चांदी, 67,000 रुपए गिरकर 3.32 लाख पर आई

- सोना 15 हजार रुपए सस्ता, 1.54 लाख रुपए पर आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में शुक्रवार यानी 30 जनवरी को भारी गिरावट आई। सुबह के कारोबार के दौरान प्रॉफिट बुकिंग के कारण एमसीएक्स पर चांदी 67 हजार रुपए (17 फीसदी) गिर गई थी। 1 किलो चांदी का भाव 3.32 लाख रुपए पर आ गया था। हालांकि अभी इसमें थोड़ी रिकवरी है और ये 12 फीसदी की गिरावट के साथ 3.51 लाख पर आ गई है। एमसीएक्स पर सोने में भी सुबह के कारोबार के दौरान 15 हजार रुपए (9 फीसदी) की गिरावट थी। 10 ग्राम सोना 1.54 लाख रुपए पर आ गया था। वहीं सोना अब थोड़ा रिकवर हुआ है और ये 3 फीसदी की गिरावट के साथ 1.64 लाख रुपए पर ट्रेड कर रहा है। सोने और चांदी के ईटीएफ में भी आज 23 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं सर्राफा बाजार में चांदी 40,638 रुपए और सोना 9,545 रुपए सस्ता हुआ है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत 3,39,350 रुपए किलो पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,65,795 रुपए पर आ गया है। इस साल जनवरी के 29 दिन में सोना 35,280 रुपए महंगा हो चुका है।

जिन्हें मिला नोटिस, सार्वजनिक जगहों पर लगाएं उनके नाम

- एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में जो मतदाता तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल हैं, उनके नाम ग्राम पंचायत भवनों, ब्लॉक दफ्तरों और तालुका के सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएं। यहां संबंधित दस्तावेज और आपत्तियां भी जमा की जा सकेंगी। गुरुवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच डीएमके की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अमित आनंद तिवारी और अधिवक्ता विवेक सिंह की दलीलों पर सुनवाई कर रही थी। डीएमके ने आग्रह किया था कि जिनके नाम तार्किक विसंगतियों की सूची में हैं, उन्हें तमिलनाडु में चुनाव पूर्व वोटर लिस्ट में शामिल होने का दावा करने के लिए पर्याप्त समय मिले। इन विसंगतियों की श्रेणी में शामिल लोगों को अवसर देने के उद्देश्य से पीठ ने निर्देश जारी किए।

योगी ने मंत्रियों की 50 करोड़ तक फाइनेंशियल पावर बढ़ाई

- अब ज्यादा काम करा पाएंगे, आंगनबाड़ी में तय तारीख पर आएगी सैलरी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने मंत्रियों की फाइनेंशियल पावर बढ़ा दी है। अब मंत्री 50 करोड़ तक के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे सकते हैं। पहले यह लिमिट सिर्फ 10 करोड़ तक थी। इसके अलावा 50 करोड़ से 150 करोड़ तक के प्रोजेक्ट्स की मंजूरी वित्त मंत्री देंगे। 150 करोड़ से अधिक की मंजूरी सीएम देंगे। सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी बड़ा तोहफा दिया है। अब उनका मानदेय यानी सैलरी हर महीने फिक्स डेट पर आएगी। यूपी सरकार केंद्र से आने वाले हिस्से का इंतजार नहीं करेगी। राज्य सरकार अपने बजट से समय पर भुगतान करेगी, ताकि किसी को देरी का सामना न करना पड़े। सीएम ने सभी विभागों को अल्टीमेटम दिया है। कहा- अपनी वार्षिक कार्ययोजना हर हाल में 15 अप्रैल तक स्वीकृत करा लें। जो विभाग लापरवाही करेगा, उसकी रिपोर्ट सीधे सीएम ऑफिस भेजी जाएगी। किसी भी प्रोजेक्ट की लागत अगर 15 फीसदी से ज्यादा बढ़ती है, तो कारण बताकर दोबारा मंजूरी लेनी होगी।

लखनऊ में विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, 275 यात्री थे

- सऊदी जाते वक्त तकनीकी खराबी आई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी अरब जा रहे एक विमान की शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान के कुछ समय बाद विमान में तकनीकी दिक्कत आ गई थी। सूत्रों के मुताबिक, जब विमान मुंबई के पास पहुंचा, तब केबिन प्रेशर में समस्या आ गई। इससे चलते कुछ यात्रियों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। हालात देखते हुए पायलट ने पहले मुंबई एयरपोर्ट से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी, लेकिन वहां से परमिशन नहीं मिली। इसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट से संपर्क किया। लखनऊ से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मिलते ही विमान वापस लौट आया। करीब 82 मिनट में विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। यह विमान सऊदिया अरबिया एयरलाइंस का था। फ्लाइट जेद्दा जा रही थी। विमान में 275 यात्री, 4 पायलट और 6 क्रू मेंबर सवार हैं।

रनवे पर उतरते ही निकलने लगा था धुआं

सूत्रों ने बताया कि विमान की लैंडिंग के समय पायलट ने उसके पहिये खोलकर विमान को रनवे पर उतारा, तभी उसके बाएं तरफ के पहिए में खराबी आ गई। यह खराबी हाइड्रोलिक सिस्टम में अचानक लीकेज होने की वजह से बताई जा रही है। इसी से तेज धुएं के साथ चिनगारी उठने से वहां हड़कंप जैसी स्थिति बन गई। अगर यह खराबी विमान के टेकऑफ के समय हो जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूत्रों ने बताया कि हज यात्रियों की वापसी के दौरान सऊदी अरबिया एयरलाइंस का विमान जेद्दा से हज यात्रियों को लेकर यहां आता है, लेकिन यहां से बिना यात्रियों के ही वापस खाली ही जाता है।

आम बजट में 300 नई ट्रेनों की घोषणा संभव

टैक्स फ्री हो सकती है 13 लाख तक की कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को बजट में आम जनता के लिए बड़ी राहत की घोषणा कर सकती हैं। जानकारी के अनुसार इनकम टैक्स की नई रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन 75 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए किया जा सकता है। इससे सैलरीड लोगों की 13 लाख रुपए की इनकम टैक्स-फ्री हो जाएगी। अभी 12.75 लाख रुपए तक कि इनकम टैक्स फ्री है। सूत्रों ने बताया कि उद्योग संगठन कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री ने सरकार को सुझाव दिया है कि खपत बढ़ाने के लिए लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा छोड़ना जरूरी है। टैक्स छूट बढ़ने से लोगों की पर्चेजिंग पावर बढ़ेगी। इससे इकोनॉमी को फायदा होगा। सरकार पुरानी टैक्स रिजीम को नई टैक्स रिजीम से बदलना चाहती है। इसके लिए नई टैक्स रिजीम को फायदेमंद बनाए रखना जरूरी है। इसी मकसद से नई रिजीम में सैलरी पाने वालों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाया जा सकता है। इससे मिडिल क्लास के हाथ में आने वाला पैसा बढ़ेगा। महीने में कुछ हजार रुपए की बचत हो सकती है। ये खर्च, सेविंग या निवेश में काम आएगी।

किसान सम्मान निधि की बढ़ सकती है सालाना रकम- पीएम-किसान योजना की राशि 6 हजार से 9 हजार रुपए सालाना की जा सकती है। बीते 3 साल से इसे बढ़ाने की बात हो रही है। 2019 में योजना शुरू होने के बाद से इसमें बदलाव नहीं हुआ है। 2024 में संसदीय स्थायी समिति ने रकम दोगुना करके 12 हजार रुपए सालाना करने की सिफारिश की थी। किसान संगठनों का कहना है कि 2019 से मिल रहे 6 हजार रुपए की कीमत महंगाई की वजह से 5 हजार रुपए रह गई है।

300+ नई अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेनों का ऐलान संभव

सरकार नई ट्रेनें चलाकर 2030 तक रिजर्वेशन की वेटिंग लिस्ट खत्म करना चाहती है। ऐसे में 300 से ज्यादा अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेनों का ऐलान हो सकता है। पिछले बजट में रेलवे के लिए 2.65 लाख करोड़ रुपए अलॉट किए गए थे। यह अब तक का सबसे बड़ा रेल फंड है। इस बार भी इसके बढ़ने की उम्मीद है। सरकार 2030 तक ट्रेन रिजर्वेशन में वेटिंग लिस्ट खत्म करना चाहती है। फिलहाल पीक सीजन में डिमांड और सीट उपलब्धता में करीब 20-25 फीसदी का अंतर रहता है। इसके लिए ट्रेनें बढ़ाने के साथ ट्रैक विस्तार भी करना होगा। ट्रेनों में रोजाना सफर करने वाले करीब 2 करोड़ लोगों को इसका फायदा होगा। ऐसे में सरकार रेलवे के लिए और कई सुविधाओं का ऐलान कर सकती है।

केदारनाथ-बद्रीनाथ में मोबाइल बैन करने की शुरू हो गई तैयारी

- अध्यक्ष बोले- ब्लॉगिंग करने वालों पर कार्रवाई होगी

गैर-हिंदुओं की एंट्री पर बहुत जल्द रोक लग सकती है

देहरादून (एजेंसी)। बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले श्रद्धालुओं के लिए नए नियम बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति इस मुद्दे पर जल्द बैठक करेगी। नए नियमों में मंदिर परिसर के अंदर मोबाइल फोन पर बैन और गैर-हिंदुओं की एंट्री पर रोक शामिल हो सकती है। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि अगर कोई व्यक्ति मंदिर परिसर में फोन लेकर घूमता मिला, तो उसका मोबाइल जब्त कर लिया जाएगा और उस पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। यह बैन उन लोगों की वजह से लगाया जा रहा है, जो मंदिर परिसर में ब्लॉगिंग और वीडियो बनाते हैं। समिति का कहना है कि देश के कई बड़े मंदिरों में पहले से ऐसे नियम हैं। अब केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में भी अपने अलग नियम लागू किए जाएंगे। फोन पर बैन, ब्लॉगिंग करने वालों पर नजरः एजेंसी ने बताया कि दोनों धामों के अंदर एक सीमा तय करने की तैयारी की जा रही है। इस सीमा के अंदर कोई भी फोन यूज करता दिखा तो उसे तुरंत पकड़ लिया जाएगा। इसके लिए परिसर के अंदर लॉकर बनाए जाएंगे। हालांकि लॉकर कहां पर होगा और इसका कितना किराया होगा, यह अभी तय नहीं हुआ है। सभी मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने का प्रस्ताव तैयार है।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में विधायक सुजीत पासवान रोड एक्सीडेंट में बचे, पिकअप वैन से टकरा गई कार

हाजीपुर। वैशाली में एक सड़क दुर्घटना में राजनगर विधानसभा के विधायक सुजीत कुमार पासवान बाल-बाल बच गए। उनकी गाड़ी हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर एक पिकअप वैन से टकरा गई। यह घटना काजीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 22 (NH-22) पर धोबगट्टी के पास हुई। जानकारी के अनुसार, विधायक सुजीत कुमार पासवान अपनी गाड़ी में पांच अन्य लोगों के साथ मधुबनी से पटना जा रहे थे। उनकी गाड़ी आगे चल रहे एक पिकअप वाहन से पीछे से टकरा गई। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिया था, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना के बाद पिकअप वैन चालक मौके से फरार हो गया। विधायक के बॉडीगार्ड निरंजन कुमार ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि टक्कर में कार चालक को हल्की चोटें आई हैं, जबकि विधायक जी पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना के तुरंत बाद विधायक सुजीत कुमार पासवान पटना के लिए रवाना हो गए।

पटना के बाढ़ अनुमंडल में डॉक्टरों की भारी कमी, सर्जन, मानसिक रोग सहित आंख का नहीं हो रहा इलाज

पटना। पटना के बाढ़ अनुमंडल में स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने के लिए लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। बावजूद इसके यहां के सभी पीएचसी, सीएचसी और अनुमंडलीय अस्पताल केवल रेफरल सेंटर बनकर रह गए हैं। यहां गंभीर या कम गंभीर मामलों में भी मरीजों को तुरंत पटना रेफर कर दिया जाता है, जिससे कई बार रास्ते में या इलाज के दौरान उनकी मौत हो जाती है। गुरुवार को बाढ़ विधायक डॉ. सियाराम सिंह ने बेलछी पीएचसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें वहां की सभी सुविधाएं सही मिलीं। बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पर लगभग 10 लाख आबादी की स्वास्थ्य जिम्मेदारी है। यहां हर महीने सैकड़ों पोस्टमार्टम किए जाते हैं, लेकिन ओपीडी में मरीजों के लिए अल्ट्रासाउंड, दांतों का एक्स-रे और आंखों की जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आपातकालीन स्थिति में भी मरीजों को प्राथमिक उपचार के अलावा कोई विशेष व्यवस्था नहीं मिलती। शरीर के किसी हिस्से में हल्की चोट या फ्रैक्चर होने पर मरीजों को तुरंत पटना रेफर कर दिया जाता है। लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से नया भवन बनने के बावजूद सुविधाओं की कमी के कारण मरीज निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर हैं। अस्पताल में मौजूद लोगों का कहना है कि, अस्पताल के प्रसव विभाग में सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा नहीं है। यहां केवल सामान्य प्रसव वाली महिलाओं को भर्ती किया जाता है। ऐसे में जरा भी गंभीर स्थिति होने पर उन्हें पटना रेफर कर दिया जाता है। आरोप है कि अस्पताल के बाहर दलाल सक्रिय रहते हैं, जो प्रसूता के परिजनों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाते हैं, जिससे निजी अस्पतालों को भारी मुनाफा होता है। अस्पताल के उपाधीक्षक विनय कुमार चौधरी ने बताया कि अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ, मानसिक रोग विशेषज्ञ और नेत्र रोग विशेषज्ञ नहीं हैं। एक सर्जन थे, जिनका तबादला आरा हो गया है, जिससे अब सर्जन भी उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एक हड्डी रोग विशेषज्ञ ज्वाइन करने के बाद से अनुपस्थित चल रहे हैं, जिसकी सूचना विभाग को लिखित रूप में दी गई है। उपाधीक्षक ने कहा कि वे अस्पताल में सभी विभागों के डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए लगातार पत्र भेजते रहते हैं।

ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से भ्रमण की अनुमति दी जा रही-प्रिंसिपल

हाजीपुर। वैशाली के चकसिकंदर स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, वैशाली में उच्च माध्यमिक विद्यालय महीनद्वारा के छात्र-छात्राओं ने एक शैक्षणिक भ्रमण किया। बिहार सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित इस महाविद्यालय में छात्रों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। यह भ्रमण प्रधानाचार्य मालती कुमारी तथा सहायक अध्यापकों विपिन कुमार, पप्पू गुंजन और खुशबू कुमारी की देखरेख में संपन्न हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने बताया कि विभिन्न विद्यालयों से शैक्षणिक भ्रमण के लिए लगातार आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। छात्रों के ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से इन भ्रमणों की अनुमति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अभियंत्रण महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं का भ्रमण छात्रों में व्यापक और उन्नत सोच विकसित करने में सहायक होगा। भ्रमण के दौरान, छात्रों ने भूतल पर स्थित मैकेनिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया। यहां उन्होंने मशीनों की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इसके बाद, छात्रों ने महाविद्यालय के प्रथम तल पर स्थित रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण किया, जहां उनकी जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान किया गया। उन्होंने द्वितीय तल पर स्थित केंद्रीय ग्रंथालय का भी अवलोकन किया, जिससे उन्हें एक आदर्श पुस्तकालय की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला। द्वितीय तल पर ही स्थित लैंग्वेज लैब को छात्रों ने उत्सुकता से देखा। सहायक प्राध्यापक साईनाथ विश्वकर्मा ने उन्हें बताया कि इस लैब में अंग्रेजी के अतिरिक्त जापानी, जर्मन और फ्रेंच जैसी तीन विदेशी भाषाओं की भी पढ़ाई होती है। छात्रों ने कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभागों का भी भ्रमण किया और अपने मन में उठ रहे सवालों के संतोषजनक उत्तर प्राप्त किए। छात्र-छात्राओं के भ्रमण का मार्गदर्शन इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार शाह, प्रो. सुधीर कुमार ठाकुर तथा अनुदेशक पंकज सुमन एवं कर्मचारी संतोष कुमार सिंह के द्वारा किया गया। जिससे छात्र-छात्राओं को अनुशासित ढंग से भ्रमण कराया गया। छात्र-छात्राएं बड़े ही उत्सुक और भावुक नजर आए। उत्सुकता बस उठ रहे सवालों के संतोषजनक जवाब से छात्र-छात्राएं पूर्ण संतुष्ट नजर आए। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आए दिन विभिन्न शिक्षण संस्थानों से छात्र-छात्राओं का जत्था इंजीनियरिंग कॉलेज के भ्रमण के लिए शैक्षिक-भ्रमण के तहत प्राचार्य के अनुमति से आ रहे हैं। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं को बेहतर करने की दिशा में प्रेरणा प्राप्त हो रही है।

सोनपुर मंडल ने 44.80 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया वित्तीय वर्ष में टिकट चेकिंग अभियान से मिली सफलता

हाजीपुर। सोनपुर मंडल के वाणिज्य विभाग ने 28 जनवरी 2026 को एक व्यापक मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रौशन कुमार के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इस विशेष जांच अभियान के दौरान, टिकट जांच टीमों ने विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में कुल 3017 ऐसे यात्रियों को पकड़ा जो बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे थे। इन यात्रियों से 20,40,023 रुपये का राजस्व वसूल किया गया। सोनपुर मंडल में सघन टिकट जांच अभियान लगातार जारी हैं। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 6,68,849 बेटिकट यात्रियों से 44,80,31,753 रुपये का रेल राजस्व प्राप्त किया जा चुका है। मंडल के अधिकारियों ने बताया कि यह सफलता यात्रियों में टिकट लेकर यात्रा करने की बढ़ती जागरूकता, मंडल की सतत निगरानी और टिकट जांच टीमों की कार्यशैली का परिणाम है। सोनपुर मंडल के अनुसार, टिकट जांच अभियान केवल राजस्व संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह यात्रियों की सुविधा, सुरक्षित यात्रा और सुव्यवस्थित रेल संचालन सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अवैध यात्रा पर प्रभावी रोक लगाने और यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के लिए प्रेरित करने हेतु ऐसे विशेष अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे। सोनपुर मंडल भारतीय रेल के राजस्व और सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

'मान लो आपकी बेटी ने सुसाइड किया है, रेप नहीं हुआ'

♦ नीट छात्रा मौत केस में भाई बोला- डीजीपी के सामने दबाव बनाया, मां बोली- सब बिके हैं

एजेंसी, पटना

NEET छात्रा की मौत मामले में परिवार को शुक्रवार को DGP ने अपने आवास पर मिलने के लिए बुलाया। इस दौरान SIT की टीम और पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद छात्रा की फैमिली गुस्से में DGP आवास से निकली। छात्रा के भाई ने कहा, 'DGP से मीटिंग के दौरान मां से कहा गया है कि मान लीजिए उसने सुसाइड किया है, उसके साथ रेप नहीं हुआ है।' छात्रा की मां ने कहा, 'मेरी बेटी को कोई न्याय नहीं दिलवा पा रहा। गड्डी मिली है सब को। हम गड्डी नहीं दे पा रहे हैं। DSP, SP सब बिके हुए हैं। सम्राट चौधरी हमें बुला रहे हैं। हम उनसे मिलकर क्या करेंगे। हमें सिर्फ न्याय चाहिए।' पिता ने कहा, 'हमें यहां न्याय नहीं मिल रहा है। हम यहां न्याय के लिए आए थे। लगा कि ये कुछ बताएंगे, लेकिन सब फालतू बातें की गईं।' DGP से मुलाकात के बाद पीड़ित परिवार को डिप्टी CM के आवास पर बुलाया गया, लेकिन परिवार वहां नहीं पहुंचा। इसके बाद डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, DGP विनय कुमार और पटना SSP कार्तिकेय शर्मा को भी अपने आवास पर बुलाया। सम्राट चौधरी खुद इस पूरे मामले की समीक्षा कर रहे हैं। मुलाकात के बाद DGP और SSP थोड़ी देर में ही डिप्टी CM के आवास से बाहर निकल गए।

SIT की जांच से परिवार संतुष्ट नहीं: बताया जा रहा है कि SIT की टीम नतीजे तक पहुंच गई है। पूरी जांच रिपोर्ट गृह मंत्री सम्राट चौधरी को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट में पटना के अंदर किसी तरह की भी घटना से साफ तौर पर इनकार कर दिया गया है। खुलासा करने से पहले गृह मंत्री परिजनों को संतुष्ट करना चाहते थे, इसलिए DGP की ओर से पहल की गई और परिजनों को पूरी जांच रिपोर्ट दिखाई गई। CCTV फुटेज से लेकर अब तक की जो जांच रही। उसके बारे में छात्रा के परिवार को जानकारी दी गई है। हालांकि परिवार इस रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं हैं। जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पटना में स्टूडेंट्स ने निकाला न्याय मार्च: वहीं इस मामले को लेकर पटना विश्वविद्यालय की छात्राएं सड़क पर उतरीं। छात्राओं ने पटना के मगध महिला कॉलेज से कारगिल चौक तक 'बेटी बचाओ न्याय मार्च' निकाला। कारगिल चौक पर सभी छात्राओं ने प्रदर्शन किया। छात्राओं ने कहा, 'सम्राट चौधरी बेटियों को सुरक्षा दो। NEET छात्रा की मौत की CBI करवाओ।' इधर, पुलिस के मुताबिक, छात्रा के फोन का डाटा रिकवर हो गया है। फोन के डेटा को एनालाइज किया जा रहा है। इसमें SIT को स्नैप चैट से भी साक्ष्य हाथ लगे हैं। अब SIT की नजर 3 संदिग्धों पर है। आज शाम तक DNA सैंपल की रिपोर्ट आने की संभावना है। अधिकारी विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले इस मामले का खुलासा करना चाहते हैं।

हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई: इस मामले की मॉनिटरिंग करवाने के लिए एक जनहित याचिका पटना हाईकोर्ट में सुषमा कुमारी ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने अपनी इस याचिका को अधिवक्ता अलका वर्मा से दायर करवाया है। इसमें कहा गया है कि, जांच पूरी विश्वसनीयता और पारदर्शी तरीके से हाईकोर्ट की मॉनिटरिंग में होनी चाहिए।

अब तक 25 लोगों के सैंपल लिए, हर जानने वाले का टेस्ट होगा: नीट छात्रा रेप-मौत केस में अब तक जांच एजेंसियां 25 लोगों के DNA सैंपल ले चुकी हैं। इनमें शंभू गर्ल्स हॉस्टल आने-जाने वाले युवक, हॉस्टल से जुड़े लोग, छात्रा को अस्पताल पहुंचाने में मदद करने वाले, परिजन और करीबी शामिल हैं। इस मामले में हॉस्टल संचालक के बेटे का भी DNA सैंपल लिया गया है। इससे साफ है कि SIT जांच में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरतना चाहती। FSL की जांच में छात्रा के कपड़ों से स्पर्म मिलने के बाद DNA मिलान जांच का सबसे अहम आधार बन गया है। इसी स्पर्म के DNA को सभी संदिग्ध लोगों के DNA से मैच किया जाएगा। जांच एजेंसियों का मानना है कि अगर एक भी प्रोफाइल मैच होती है तो केस की दिशा पूरी तरह साफ हो जाएगी।

पटना- महिला बैंककर्मी के साथ रास्ते में छेड़खानी

एजेंसी, पटना

पटना के शास्त्रीनगर इलाके के राजाबाजार समनपुरा में रहने वाली महिला बैंक कर्मी से 2 मनचलों ने छेड़खानी की है। शास्त्रीनगर थाने में पीड़िता की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़िता का आरोप है कि रास्ते में आकिब खान और साहिल खान नाम के दो शख्स फब्तियां कसते हैं। अक्सर छेड़खानी करते हैं। यहां तक कि जब मैं विरोध करती हूं, तो घर वालों को जान से मारने और मुझे जबरन उठा ले जाने की धमकी देते हैं।

अब मैं इनलोगों से तंग और तबाह हो चुकी हूं। पीड़िता ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी दिए हैं। जिसमें दोनों शख्स नजर आ रहे हैं। पुलिस वालों ने सीसीटीवी देने से मना किया पीड़िता को पुलिस वालों ने किसी को भी सीसीटीवी फुटेज देने से मना कर दिया है। इस घटना के बाद से पीड़िता सहमी हुई है। पीड़िता ने बताया कि पुलिस की ओर से कार्रवाई शुरू की गई है।

पीड़िता ने बताया कि पुलिस जब वहां जांच में पहुंची तो उनकी मौजूदगी में मनचलों ने मेरे भाई पर हाथ उठाया। अभी मुझे आश्वासन मिला है, अगर कार्रवाई नहीं हुई तो महिला आयोग और SSP के पास जाऊंगी। थानेदार रविन्द्र कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है। दोनों के बीच में पहले से विवाद चल रहा है। छानबीन की जा रही है।

विजय सिन्हा के जनता दरबार में कांग्रेस नेत्री, कहा- रिश्तेदार ने मेरी जमीन पर कब्जा कर लिया है, मुझे न्याय दिलाएं

एजेंसी, पटना

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के जनता दरबार में कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास अपनी फरियाद लेकर पहुंचीं। प्रतिमा दास ने डिप्टी सीएम से मदद मांगते हुए कहा, मेरे एक रिश्तेदार ने मेरे घर पर कब्जा कर लिया है। आपसे उम्मीद है कि आप न्याय दिलवाएंगे। इस पूरी शिकायत को सुनने के बाद विजय सिन्हा ने उनको न्याय दिलाने का भरोसा भी दिलवाया। दरअसल, भाजपा के सहयोग कार्यक्रम के तहत भाजपा कोटे के मंत्री नियमित रूप से जनता दरबार लगाते हैं, जहां आम लोगों की समस्याएं सुनी जाती हैं।

पारिवारिक जमीन और मकान से जुड़े शिकायत लेकर पहुंची कांग्रेस विधायक: उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दरबार का आयोजन किया था। इसमें आम फरियादियों के साथ कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रतिमा दास भी मौजूद रहीं। उन्होंने अपने पारिवारिक, जमीन और मकान से जुड़े विवाद को लेकर उपमुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखी, न्याय दिलाने का आग्रह किया। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने प्रतिमा दास की शिकायत गंभीरता से सुनी। पूरे मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तथ्यों की जांच कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश देने की बात कही।

2021 से चला आ रहा है जमीन और मकान कब्जा विवाद: बताया जा रहा है कि यह मामला साल 2021 से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस की पूर्व विधायक प्रतिमा कुमारी दास ने आरोप लगाया है कि उनके एक रिश्तेदार ने जबरन उनके घर पर कब्जा कर लिया। यह मकान पटना सिटी के अगमकुआं थाना क्षेत्र अंतर्गत भूतनाथ रोड स्थित बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी में, टीवी टावर के पास स्थित है। प्रतिमा दास का कहना है कि उनके ससुर, सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त (उत्पाद) चंद्रिका दास का 6 नवंबर 2021 को निधन हो गया था। निधन के बाद श्राद्ध कर्म के लिए परिवार के सभी सदस्य गांव गए थे। इसी दौरान घर की देखरेख के लिए एक महिला को रखा गया था।

घर लौटने पर नहीं खोला गया दरवाजा, पुलिस तक पहुंचा मामला: पूर्व विधायक का आरोप है कि उसी महिला ने पीछे से मकान पर कब्जा जमा लिया। जब वे गांव से पटना लौटे, तो महिला ने घर का दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया। उल्टा पुलिस को गलत सूचना दे दी थी। सूचना मिलने पर अगमकुआं थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक हंगामा चला था। अगमकुआं थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया था कि, यह मामला घर की दावेदारी और स्वामित्व से जुड़ा है, जिसे अदालत ही तय करेगी। पुलिस को जो शिकायत पत्र प्राप्त हुआ है, उसकी जांच की जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'एससी/एसटी समाज के लोगों की शिक्षा रोजगार-सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता'

❑ विभाग बोला- विकास के लिए 2752 करोड़ का बजट, हॉस्टल-स्कूल और अन्य सुविधा होगी बेहतर

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा, आवास, छात्रवृत्ति और सामाजिक सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसे लेकर पटना में आज अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की ओर से पीसी हुई। विभाग के सचिव डॉ. संदीप कुमार आर. पुदकलकट्टी और मंत्री लखींद्र पासवान मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सरकार की प्राथमिकता है कि एससी-एसटी समाज के लोगों को शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा के बेहतर अवसर मिलें, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। डॉ. पुदकलकट्टी ने बताया कि जनगणना 2011 के अनुसार बिहार की कुल आबादी में अनुसूचित जाति की हिस्सेदारी करीब 15.9 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति की 1.28 प्रतिशत है। राज्य में 22 अनुसूचित जातियां और 32 अनुसूचित जनजातियां अधिसूचित हैं। इसके अलावा कुछ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह भी बिहार में रहते हैं, जिनके लिए अलग-अलग योजनाएं चलाई जा रही हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग का कुल बजट 2752 करोड़: वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग का कुल बजट 2752 करोड़ रुपये से ज्यादा रखा गया है। यह पिछले साल से अधिक है। सरकार का कहना है कि इस बढ़े हुए बजट से छात्रावास, स्कूल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण में तेजी आएगी। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने बड़ी पहल की है। राज्य में फिलहाल 91 आवासीय विद्यालय चल रहे हैं, जहां हजारों छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। कई विद्यालयों को 10+2 तक अपग्रेड किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों के छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

छात्रों को मिल रही प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप: छात्रों को पढ़ाई में आर्थिक परेशानी न हो, इसके लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप दी जा रही है। यह राशि डीबीटी के जरिए सीधे छात्रों के बैंक खातों में भेजी जाती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी सरकार मदद कर रही है। यूपीएससी, बीपीएससी जैसी परीक्षा के लिए छात्रों को प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा के तहत अत्याचार निवारण कानून को सख्ती से लागू किया जा रहा है। पीड़ितों को सहायता दी जा रही है। मंत्री लखींद्र पासवान ने कहा कि इन योजनाओं से एससी-एसटी समाज के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है और वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

पटना मेदांता अस्पताल के डॉक्टर के घर डकैती

हथियार के बल पर परिवार को बनाया बंधक, मां को पीटा, गहने-कैश सहित 5 लाख लूटे

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में मेदांता अस्पताल के डॉक्टर शुवि शरण के घर बुधवार आधी रात भीषण डकैती हुई। 5 से 6 हथियारबंद अपराधियों ने घर में घुसकर परिवार को बंधक बना लिया। इसके बाद डकैत लगभग 5 लाख रुपये से अधिक के हीरे और सोने के गहने, नकदी और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना शुक्रवार सुबह अगमकुआं थाने को दी गई।

हथियार के बल पर परिवार को बनाया बंधक: पीड़ित परिवार के अनुसार, अपराधियों ने डॉक्टर के माता-पिता को हथियार के बल पर बंधक बना लिया। विरोध करने पर डॉक्टर की मां के साथ मारपीट की गई, जिसमें उनके दांत टूट गए। घर में मौजूद एक महिला को भी पीटा गया, जिससे वह घायल हो गईं।

सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की तलाश जारी: अगमकुआं थाना प्रभारी ने बताया कि, रात्रि लगभग 2:00 बजे यह वारदात हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित परिवार ने इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

आलोक सिंह बने आरएलएम के प्रदेश अध्यक्ष, 2 कार्यकारी अध्यक्ष भी

एजेंसी, पटना

पार्टी में टूट की चर्चा के बीच रालोमो अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने पार्टी में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है। दिनारा से विधायक आलोक सिंह को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं 2 नेताओं को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशांत पंकज और सुभाष चंद्रवंशी प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उपेंद्र कुशवाहा ने इसकी घोषणा की। इनके साथ ही हिमांशु पटेल को प्रदेश प्रधान महासचिव और मदन चौधरी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसे बीते कुछ दिनों से पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रहे विधायकों को मनाने की कोशिश मानी जा रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पार्टी में टूट की बात से इनकार करते हुए रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, 'मैंने पहले ही कहा ये चर्चा आप मीडिया के लोग ही कर रहे हैं। हमें तो कुछ पता ही नहीं है।' वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक रामेश्वर महतो के मौजूद न रहने पर उन्होंने कहा, ये विधायक दल की कोई बैठक नहीं है।

वैसे तो विधायक स्नेहलता भी यहां मौजूद नहीं है। पार्टी में किसी तरह का कोई विवाद नहीं है। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में रालोमा ने 4 सीटें जीतीं, जिसमें 3 विधायकों की नाराजगी की बातें सामने आई थीं, जबकि चौथी विधायक उनकी पत्नी स्नेहलता हैं। बताया जा रहा है कि हाल ही में पटना में RLM के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं माधव आनंद और आलोक सिंह ने मुलाकात की थी। इसी बैठक के दौरान संगठनात्मक पुनर्गठन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और दिनारा विधायक आलोक सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर सहमति बनी। माधव आनंद पहले से ही विधानसभा में RLM विधायक दल के नेता की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता कुशवाहा पार्टी की सचेतक हैं।

मोइनुल हक स्टेडियम बनेगा इंटरनेशनल क्रिकेट कॉम्प्लेक्स, 24 महीने में होगा तैयार

♦ 2 ग्राउंड-16 पिच बनेंगे, राजगीर स्टेडियम में 2026 लास्ट तक होगा मैच

एजेंसी, पटना

मोइनुल हक स्टेडियम के पुनर्निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। आज बिहार क्रिकेट एसोसिएशन और निर्माण कंपनी सिवांस इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बीच एग्रीमेंट साइन हुई। इस स्टेडियम का निर्माण कार्य 24 महीने के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस स्टेडियम में दो ग्राउंड बनाए जाएंगे, जिसमें एक इंटरनेशनल और आईपीएल मैच और दूसरा डोमेस्टिक मैच के लिए होगा। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सीईओ मनीष राज ने बताया कि 11 फरवरी को BCA की खेल विभाग के साथ मीटिंग है, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू करने की तारीख तय होगी।

ग्राउंड में 12 से 16 पिच का किया जाएगा निर्माण: इसमें मुख्य क्रिकेट स्टेडियम, आधुनिक पवेलियन, प्रैक्टिस विकेट, इनडोर अभ्यास सुविधा, खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम, मीडिया सेंटर और प्रशासनिक ढांचा शामिल रहेगा। परियोजना के अंतर्गत लगभग 300 खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। साथ ही खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, फिटनेस और मैच तैयारी के लिए 12 से 16 पिचों के निर्माण की योजना भी शामिल है। कुल 498 करोड़ रुपये की लागत से इस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। करीब 30 एकड़ में इसका निर्माण किया जाएगा।

2026 के अंत तक राजगीर में होगा इंटरनेशनल मैच: मनीष राज ने बताया कि इस स्टेडियम के निर्माण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा, जिसमें प्रथम चरण में मुख्य खेल क्षेत्र और आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसके पूर्ण होने के बाद बिहार में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावनाएं बढ़ेंगी। साथ ही स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण उपलब्ध होगा। इस स्टेडियम में 40000 दर्शकों के बैठने की कैपेसिटी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 के अंत तक राजगीर इंटरनेशनल स्टेडियम में इंटरनेशनल मैच कराने की तैयारी चल रही है।

बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट का भी होगा निर्माण: इसमें क्रिकेट के अलावा बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, फाइव स्टार होटल, खिलाड़ियों के लिए सभी सुविधाओं से लैस हॉस्टल, रेस्टोरेंट, क्लब हाउस आदि भी होंगे। बारिश का पानी जमा करने की व्यवस्था भी मोइनुल हक इंटरनेशनल क्रिकेट कॉम्प्लेक्स में अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम और ड्रेनेज लेयर सिस्टम की सहायता के लिए मेन ग्राउंड रेत आधारित होगा। यह आउट फील्ड मेन ग्राउंड में पानी देने के लिए पॉप अप और रेन गन प्रणाली से भी सुसज्जित होगा।

स्वच्छ एवं कदाचार-मुक्त वातावरण में होगी इंटरमीडिएट परीक्षा : जिला प्रशासन

» परीक्षा तिथिः 02–13 फरवरी 2026
» कुल केंद्रः 69, कुल परीक्षार्थीः 60,592
» दो पालियां में होगी परीक्षा
» सीसीटीवी दंडाधिकारी, गश्ती दल तैनात
» इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूर्णतः प्रतिबंधित
» नियंत्रण कक्षः 06252-242418

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से प्राप्त पत्र के आलोक में इंटरमीडिएट वार्षिक (सैद्धांतिक) परीक्षा- 2026 का आयोजन आगामी 02 फरवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। परीक्षा को शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार-मुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर अपर समाहर्ता एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में आयोजित संयुक्त ब्रीफिंग में बताया गया कि जिले में परीक्षा कुल 69 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें 60,592 छात्र-छात्राएं सम्मिलित होंगे। अनुमंडलवार परीक्षा केंद्रों का विवरण इस प्रकार है— मोतिहारी अनुमंडल में 37, अरेराज में 07, सिकरहना में 06, पकड़ीदयाल में 05, रक्सौल में 06 एवं चकिया अनुमंडल में 08 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

- परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी परीक्षाः
- **प्रथम पालीः** सुबह 9:30 बजे से 12:45 बजे तक
- **द्वितीय पालीः** दोपहर 2:00 बजे से 5:15 बजे तक

वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रथम पाली के लिए परीक्षार्थियों का प्रवेश सुबह 9:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली के लिए दोपहर 1:30 बजे तक ही होगा। विलंब से आने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर चार-चार स्थैतिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त, गश्ती दल, जोनल एवं सुपर जोनल मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं, जो विधि-व्यवस्था एवं परीक्षा संचालन की सतत निगरानी करेंगे। परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोस्टेट की दुकानों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा केंद्रों में अनाधिकृत प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा। प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की सघन तलाशी ली जाएगी। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, स्मार्ट घड़ी, पेजर अथवा किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक सामग्री लाना प्रतिबंधित रहेगा। कदाचार करने या उसे प्रोत्साहित करने वालों के विरुद्ध बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 एवं माननीय उच्च न्यायालय, पटना के आदेशों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। केंद्राधीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि सीट प्लान की एक प्रति मुख्य प्रवेश द्वार तथा एक सूचना पट पर प्रदर्शित की जाए, ताकि परीक्षार्थियों को सुविधा हो। परीक्षा केंद्र पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, वीक्षक एवं उड़नदस्ता दल के पदाधिकारी मोबाइल फोन लेकर केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। मीडिया कर्मियों का परीक्षा केंद्र के भीतर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा अवधि के दौरान सुबह 06:00 बजे से परीक्षा समाप्ति तक जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 06252-242418 सक्रिय रहेगा। इस अवसर पर अपर समाहर्ता ने उपस्थित सभी केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के सभी डीपीओ सहित जिला गोपनीय शाखा के प्रभारी पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध हथियार व कारतूस के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी : आदापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार, कारतूस एवं अन्य सामान के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आंध्रा पंचायत क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ मौजूद है। सूचना के सत्यापन के बाद आदापुर थाना की पुलिस टीम ने छापेमारी कर रेसुल आजम, पिता अब्दुल गनी, निवासी जटबा जनैरवा, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के पास से दो नाली बंदूक के 12 बोर के तीन जिंदा कारतूस, 12 बोर के चार खोखे, एक चाकू, एक मोबाइल फोन, 4600 रुपये नकद तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में आदापुर थाना में कांड दर्ज कर अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने पशु तस्करी रोकी, 8 गाये बचाईं

बीएनएम @ मोतिहारी। 71वीं वाहिनी एस.एस.बी. मोतिहारी की बाहरी सीमा चौकी घोड़ासहन ने विगत रात लगभग 11 बजे नेपाल से भारत ले जाई जा रही 8 गायों के साथ एक पशु तस्कर को गिरफ्तार किया। सूचना मिलने के बाद नाका टीम ने इनरवा गाँव के पास संदिग्ध व्यक्ति को रोका, लेकिन वह भागने की कोशिश करने लगा। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान खुर्शीद आलम, पुत्र मुहर्रम मियां, उम्र 20 वर्ष, निवासी इनरवा लहरा टोला, आदापुर थाना के रूप में हुई। सभी गायों और तस्कर को आगे की कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।

भुसौली से 223.02 लीटर शराब जब्त, तस्करों की तलाश तेज

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के कोटवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने एक घर में बने भुसौली से कुल 223.02 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नवल राउत, पिता स्वर्गीय महिंदर राउत, निवासी कोटवा गांव, थाना कोटवा, जिला पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) द्वारा अपने घर में बने भुसौली में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब का भंडारण किया गया है। सूचना के सत्यापन के बाद कोटवा थाना की पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित स्थान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान भूसे के ढेर में बेहद चालाकी से छिपाकर रखी गई शराब को बरामद कर विधिवत जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, शराब को इस उद्देश्य से छिपाया गया था ताकि किसी को इसकी भनक न लग सके। इस संबंध में कोटवा थानाध्यक्ष करण सिंह ने बताया कि अवैध शराब के भंडारण की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 223.02 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है तथा शराब कारोबारियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा और किसी भी शराब तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा।

जनता के दरबार में जिला प्रशासनः 72 आवेदनों पर हुई सुनवाई, शीघ्र समाधान का आश्वासन

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 72 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देशानुसार जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार एवं निधि कुमारी ने बताया कि आज प्राप्त सभी आवेदनों पर संबंधित पदाधिकारियों के स्तर से कार्रवाई कराते हुए समस्याओं का विधिसम्मत एवं शीघ्र निदान सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद एवं राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इनके त्वरित निष्पादन हेतु सभी आवेदनों को आवश्यक दिशा-निर्देशों के साथ संबंधित पदाधिकारियों को अग्रसारित करने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर के बंजरिया पंडाल स्थित गांधी आश्रम में शुक्रवार को पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता मोहन दास करमचन्द गांधी जी की 78वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी जी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ई. शशि भूषण राय ने महात्मा गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक महान पुरुष थे, जिन्होंने अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश को अंग्रेजों के चंगुल से आज़ादी दिलाई। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव कार्य किया तथा सभी देशवासियों को सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी उनके बताए हुए मार्ग पर चलें। इस कार्यक्रम में प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, महानगर अध्यक्ष ओसैदुर्रहमान खान, विनय कुमार सिंह, राय राहुल शर्मा, डॉ. जियाउल हक, डॉ. सबा अख्तर शौख, उमेश सिंह, रामेश्वर सिंह, महानगर सचिव संजीव ठाकुर सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पूर्वी चम्पारण जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय द्वारा दी गई है।

71वीं वाहिनी एस.एस.बी. के बल कर्मियों ने शहीदों की स्मृति में रखा दो मिनट का मौन

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी द्वारा 30 जनवरी, शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों की स्मृति में शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रफुल्ल कुमार, कमांडेंट के निर्देशन में वाहिनी मुख्यालय एवं सभी बाह्य सीमा चौकियों पर आयोजित किया गया। सुबह प्रातः 11 बजे बिगुल बजते ही कैंपस की सभी गतिविधियां थम गईं। सभी अधिकारियों एवं जवानों ने एक साथ खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया और राष्ट्र की स्वतंत्रता एवं अखंडता के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी का बलिदान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा और मानवता जैसे मूल्यों की रक्षा हेतु दिया गया सर्वोच्च बलिदान था। उनके आदर्श आज भी देश और समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान नीरज कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी स्वतंत्रता की नींव कितनी गहरी, मजबूत और अमूल्य है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में शहीदों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए जवानों को अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर जवानों ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संतोष कुमार (उप कमांडेंट), विश्वजीत तिवारी (उप कमांडेंट), उपेन्द्र सिंह डांगी (उप कमांडेंट), दीपक कुमार (सहायक कमांडेंट/संचार) सहित वाहिनी के सभी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

चंपारण सांस्कृतिक महोत्सव समिति ने जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को किया सम्मानित

» राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित होने पर अंगवस्त्रम, मेमेंटो व पुष्पगुच्छ भेंट

बीएनएम @ मोतिहारी

लोकसभा एवं बिहार विधानसभा चुनाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को लगातार दूसरी बार भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किए जाने पर चंपारण सांस्कृतिक महोत्सव समिति ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर को समिति ने चंपारण और बिहार के लिए गौरव का क्षण बताया। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात चंपारण सांस्कृतिक महोत्सव समिति की ओर से जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समिति की वर्किंग प्रेसिडेंट एवं बिहार की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. चन्द्रलता झा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को अंगवस्त्रम, मेमेंटो एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया और उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। गौरतलब है कि विगत बिहार विधानसभा चुनाव में निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट तकनीक अनुप्रयोग के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पर चयनित किए जाने के बाद राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी 2026) के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को सम्मानित किया गया था। इस मौके पर डॉ. चन्द्रलता झा ने कहा कि अपने कार्यों से जन-जन के बीच लोकप्रिय जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने चंपारण के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा सम्मान प्राप्त कर जिलाधिकारी ने न केवल चंपारण बल्कि पूरे बिहार को गौरवान्वित किया है। वहीं जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने इस सम्मान के लिए चंपारण सांस्कृतिक महोत्सव समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मान समारोह में समिति की ओर से डॉ. स्वस्ति सिन्हा, नीता शर्मा, संजय पाण्डेय, अनिल वर्मा एवं देवप्रिय मुखर्जी उपस्थित रहे।

मारपीट कांड में 09 अभियुक्त दोषी, न्यायालय ने सुनाई कारावास की सजा

» महिला उत्पीड़न के मामले में एक अभियुक्त को अतिरिक्त दंड

बीएनएम @ मोतिहारी

मारपीट के एक मामले में मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं समर्पित आरोपपत्र के आधार पर न्यायालय ने 09 अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए कारावास की सजा सुनाई है। यह निर्णय माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, ऋषि कुमार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी की अदालत द्वारा सुनाया गया। यह मामला तुरकौलिया थाना कांड संख्या 122/14 से संबंधित है, जो भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 323, 427 एवं 354 के तहत दर्ज किया गया था। न्यायालय ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, गवाहों के बयान एवं दलीलों पर विचार करते हुए सभी अभियुक्तों को दोषी पाया। दोषसिद्ध अभियुक्तों में शेख हाफिज, शेख लतीफ (दोनों पिता—शेख गफूर), शेख नुरैन (पिता—लतीफ), अरमान आलम उर्फ मो. सलीम (पिता—शेख अयूब), कमरून नेशा (पति—शेख हफीज), जुबैदा खातून (पति—शेख अयूब), आबदा खातून (पति—शेख जैनुद्दीन), जहाना खातून (पति—शेख जुरैन) तथा शाना खातून (पति—शेख शोएब) शामिल हैं। सभी अभियुक्त शंकर सरैया गांव के निवासी हैं, जिनका थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) है। न्यायालय ने सजा के रूप में सभी 09 अभियुक्तों को धारा 323 के तहत एक माह, धारा 427 के तहत छह माह तथा धारा 147 के तहत तीन माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। वहीं महिला से संबंधित अपराध की गंभीरता को देखते हुए अभियुक्त शेख नुरैन को धारा 354 आईपीसी के तहत अतिरिक्त रूप से छह माह का साधारण कारावास दिया गया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि उपलब्ध साक्ष्य, गवाहों के बयान और पुलिस की विवेचना से अभियोजन पक्ष का मामला पूर्णतः सिद्ध होता है। न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि समाज में कानून का भय बनाए रखने और अपराध पर नियंत्रण के लिए ऐसे मामलों में कठोर दंड आवश्यक है। मामले में सरकार की ओर से सहायक अभियोजन पदाधिकारी शमशाद आलम ने प्रभावी पैरवी की, जिसे न्यायालय ने स्वीकार किया। यह निर्णय क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति आम लोगों के विश्वास को मजबूत करने वाला माना जा रहा है।

मुंशी सिंह महाविद्यालय में राज्य-स्तरीय जाँच परीक्षा आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय स्थित प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र में बिहार सरकार के पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा कल्याण विभाग द्वारा संचालित एवं बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम द्वारा वित्त पोषित समेकित राज्य-स्तरीय जाँच परीक्षा का आयोजन शुक्रवार को किया गया। यह परीक्षा यू.पी.एस.सी., बी.पी.एस.सी., एस.एस.सी., रेलवे, बैंकिंग व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पैटर्न पर आधारित थी। इस अवसर पर अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी रिया कुमारी उपस्थित रहीं। उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक़ सहित महाविद्यालय व प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारी व शिक्षक उपस्थित थे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

12 फरवरी की आम हड़ताल की तैयारी तेज़: श्रम संगठनों का संयुक्त कन्वेंशन संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी 12 फरवरी के आम हड़ताल के सफलता हेतु श्रम संगठन का संयुक्त कन्वेंशन पूर्वी चंपारण ऑटो संघ की जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता की अध्यक्षता एवं कामरेड शक्ति नाथ तिवारी के संचालन में शुक्रवार को शहर के बलुआ गोलंबर स्थित पार्क में संपन्न हुआ। सर्व प्रथम गांधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कन्वेंशन को संबोधित करते हुए सीटू के राज्य महासचिव कामरेड अनुपम कुमार ने केंद्र सरकार के द्वारा श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड के सवाल पर विस्तार से बातें रखी। श्री कुमार ने मजदूर को आह्वान किया कि आगामी 12 फरवरी को आयोजित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने हेतु श्रमिक संगठन को तैयारी करने का सुझाव दिया। कन्वेंशन को कामरेड अशोक पाठक, मुकेश कुमार, संतोष कुमार, शंभू शरण यादव, दिलीप कुशवाहा, प्रदीप साहनी, हेमराज हाशमी, दिनेश कुशवाहा, चंदेश्वर सिंह, भाग्य नारायण चौधरी, सुभाष कुशवाहा, वीरेंद्र यादव, संतलाल दास, बच्चा यादव, विपिन बिहारी दुबे, दीपक शर्मा, धर्मराज यादव, अफरोज हाशमी सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जिला सचिव सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने की। अंत में गगन भेदी नारों के साथ कन्वेंशन संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में केसरिया महोत्सव 2026 को लेकर बैठक सम्पन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में केसरिया महोत्सव 2026 के भव्य आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, सिविल सर्जन रवि भूषण श्रीवास्तव, जिला परिवहन पदाधिकारी मती निवेदिता, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, अनुमंडल पदाधिकारी चकिया शिवानी शुभम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चकिया, भूमि सुधार उपसमाहर्ता चकिया, नजारत उपसमाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी और केसरिया महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से महोत्सव की तिथि पर चर्चा की गई और आगामी मार्च के तीसरे सप्ताह में केसरिया महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाए और इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां प्रारंभ कर दी जाएँ। उन्होंने स्थल चयन का काम अनुमंडल पदाधिकारी चकिया को सौंपा। महोत्सव में कलाकार चयन के बिंदु पर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि निविदा के माध्यम से इवेंट मैनेजमेंट का चयन किया जाएगा, जो अपने माध्यम से कलाकारों को आमंत्रित करेंगे। साथ ही स्थानीय कलाकारों को भी इस अवसर पर प्रदर्शन का अवसर दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने महोत्सव के विविध आयामों के लिए अलग-अलग समितियां गठित करने का निर्देश दिया। इनमें आमंत्रण, कलाकार चयन, विधि व्यवस्था, स्वच्छता, प्रचार प्रसार, उद्घाटन एवं स्वागत, मंच सज्जा, स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, स्टॉल एवं प्रदर्शनी आयोजन, नियंत्रण कक्ष, स्वास्थ्य सुविधा, पेयजल एवं स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, अवसान, और कलाकारों के समन्वय की समितियां शामिल हैं। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उन्हें जो दायित्व सौंपे जाएँ, उन्हें सफलतापूर्वक निभाएँ ताकि केसरिया महोत्सव को उसकी ख्याति के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ आयोजन बनाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

एनडीपीएस कांड में दो अभियुक्त दोषी, छह-छह वर्ष का कठोर कारावास

45-45 हजार रुपये जुर्माना, 1.8 किलो गांजा बरामदगी का मामला

बीएनएम @ बेतिया। बेतिया पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, पुलिसकर्मियों की गवाही एवं समर्पित आरोपपत्र के आधार पर एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े एक मामले में न्यायालय ने दो नामजद अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। यह निर्णय माननीय अनन्य विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस), बेतिया, पश्चिम चंपारण आनंद विश्वास धर दुबे की अदालत द्वारा सुनाया गया। मामला भंगहा थाना कांड संख्या 15/19 से संबंधित है। न्यायालय ने अभियुक्त श्रवण साह (पिता–विश्वनाथ साह), निवासी पंचरुखी, जिला पश्चिम चंपारण (बेतिया) एवं सुनील कुमार गुप्ता (पिता–जगदीश प्रसाद), निवासी पिराती को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20(बी)(ii)(b), 23(बी) एवं 29 के तहत दोषी पाया। दंड के बिंदु पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को छह-छह वर्ष का कठोर कारावास तथा 45-45 हजार रुपये का अर्थदंड सुनाया। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में चार-चार माह का अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश भी दिया गया है। कांड के संक्षिप्त विवरण के अनुसार, पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान अभियुक्तों के पास से कुल 1.8 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। न्यायालय ने साक्ष्य और गवाहों के बयानों के आधार पर अभियोजन पक्ष के मामले को पूर्णतः प्रमाणित माना। मामले में अभियुक्तों को सजा दिलाने में अनन्य विशेष लोक अभियोजक संतोष कुमार शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी प्रभावी पैरवी से अभियोजन पक्ष का पक्ष मजबूत हुआ। यह फैसला मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त संदेश देने वाला माना जा रहा है।

अर्थव्यवस्था का 'ट्रीटमेंट' है बजटः प्रो गौरी शंकर

बीएनएम @ जमुई। आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर विशेषज्ञों ने अपनी महत्वपूर्ण राय साझा की है। केकेएम कॉलेज के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पासवान का मानना है कि आर्थिक सर्वेक्षण यदि अर्थव्यवस्था की समस्याओं का 'डायग्नोसिस' है, तो बजट उसका सटीक 'ट्रीटमेंट' होना चाहिए। उनके अनुसार, देश की जनता इस बजट से महंगाई से राहत, रोजगार के नए अवसरों और शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में ठोस सुधारों की बड़ी उम्मीद लगाए बैठी है। उन्होंने जोर दिया कि एक संतुलित और समावेशी बजट ही अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाकर सामाजिक न्याय की नींव रख सकता है।इसी क्रम में अर्थशास्त्री प्रोफेसर सरदार राय ने बजट को नीति और नियत के बीच का सेतु बताया है। उन्होंने विशेष रूप से मध्यम वर्ग के लिए न्यायपूर्ण टैक्स व्यवस्था और रेलवे के मानवीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उनके अनुसार, आम जनता चाहती है कि रेलवे में न केवल आधुनिकता आए, बल्कि वह सुरक्षित और किफायती भी बनी रहे। विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं की सुविधा के साथ-साथ सामान्य श्रेणी के किराए में स्थिरता और युवाओं के लिए नई भर्तियों का मार्ग प्रशस्त होना इस बजट की सफलता की सच्ची कसौटी होगी।

सदर अस्पताल परिसर में कुष्ठ रोग के विरुद्ध जन-जागरण

बीएनएम @ कटिहार, । सदर अस्पताल परिसर में स्थित एएनएम स्कूल के सभागार में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य कुष्ठ रोग से होने वाली दिव्यांगता के कारण और निवारण के प्रति समाज को जागरूक करना और प्रभावित व्यक्तियों को सम्मान देना था।सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र नारायण सिंह ने कुष्ठ रोग के प्रारंभिक लक्षणों पर प्रकाश डाला और समय पर पहचान और उपचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि शरीर के किसी भी भाग पर ऐसे दाग या धब्बे, जिनमें दर्द या खुजली महसूस न होती हो, कुष्ठ रोग के प्रारंभिक संकेत हो सकते हैं।विशिष्ट अतिथियों में प्रांत सेवा प्रमुख (राज्य स्वयंसेवक संघ, उत्तर बिहार) राजा राम और बिहार राज्य सलाहकार बोर्ड सदस्य (समाज कल्याण विभाग) शिव शंकर रमानी ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने समाज में कुष्ठ रोगियों के प्रति भेदभाव खत्म करने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने पर बल दिया। रामानी ने बताया कि बिहार सरकार के निर्देश पर 11 फरवरी को कुष्ठ रोगियों के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड बनाया जाएगा। इस अवसर पर चिकित्सा जगत और समाज सेवा से जुड़ी कई प्रमुख लोग उपस्थित थे।

भूमि विवाद में थानों की मनमानी नहीं चलेगी

बीएनएम @ पटना। बिहार सरकार का यह निर्णय भूमि विवादों के निपटारे में एक ऐतिहासिक मोड़ माना जा रहा है। 1 फरवरी से लागू होने वाले इन नए दिशा-निर्देशों ने पुलिस और राजस्व विभाग के बीच की लक्ष्मण रेखा को स्पष्ट कर दिया है। अब पुलिस का कार्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना होगा; वे न तो किसी को कब्जा दिला सकेंगे और न ही निर्माण कार्यों में हस्तक्षेप कर सकेंगे। यह कदम राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के जनसंवाद में मिली शिकायतों के बाद उठाया गया है, ताकि थानों में होने वाली मनमानी और अनावश्यक हस्तक्षेप पर लगाम कसी जा सके।अब प्रक्रिया को पूरी तरह जवाबदेह बनाया गया है। थाना प्रभारियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे भूमि विवाद की सूचना तुरंत अंचलाधिकारी (CO) को दें। साथ ही, थाने की स्टेशन डायरी में विवादित भूमि का पूरा विवरण—जैसे खाता, खेसरा और रकबा—दर्ज करना होगा। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस व्यवस्था से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि आम नागरिकों को पुलिसिया दबाव से मुक्ति मिलेगी और विवादों का समाधान न्यायिक व राजस्व प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित होगा।

आलोक सिंह बन सकते हैं आरएलएम के बिहार प्रदेश अध्यक्ष

बीएनएम @ पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा में जारी संगठनात्मक असंतोष को समाप्त करने के लिए उपेंद्र कुशवाहा ने एक बड़ा दांव खेला है। सूत्रों के अनुसार, दिनारा के विधायक आलोक सिंह को पार्टी का नया बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है, जिसका औपचारिक ऐलान जल्द होने की उम्मीद है। यह फैसला पार्टी के भीतर विधायकों की नाराजगी और संवाद की कमी को दूर करने के उद्देश्य से लिया गया है।इस रणनीति के जरिए उपेंद्र कुशवाहा ने सत्ता के संतुलन और सामाजिक समीकरण को साधने की कोशिश की है। जहाँ माधव आनंद विधायक दल के नेता और स्नेह लता कुशवाहा सचेतक की भूमिका में हैं, वहीं राजपूत समाज से आने वाले आलोक सिंह को प्रदेश की कमान सौंपकर पार्टी ने अपने जनाधार को विस्तार देने का संकेत दिया है। यह कदम न केवल आंतरिक कलह पर विराम लगाएगा, बल्कि आगामी चुनावों से पहले सामाजिक एकजुटता का संदेश भी देगा। अब देखना यह है कि यह नई टीम पार्टी को कितनी मजबूती प्रदान करती है।

संदिग्ध परिस्थिति में मजदूर की मौत

बीएनएम @ भागलपुर, । जिले के बायपास थाना क्षेत्र अंतर्गत बैजानी फुलवरिया गांव निवासी मजदूर दौलत दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। दौलत दास रोज की तरह सुबह घर से मजदूरी करने के लिए निकला था। मृतक के पिता महेश्वर दास ने बताया कि बीते रात करीब 8 बजे जब दौलत घर लौटा तो अचानक उल्टी करने लगा। इस दौरान उसके मुंह से शराब की तेज बू आ रही थी। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे आनन-फानन में मायागंज अस्पताल लेकर पहुंचे मायागंज अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह दौलत दास की मौत हो गई।फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

आपसी विवाद में हैवानियत की हद पार, बेरहमी से लाठी-डंडों से पीटा

» वायरल वीडियो देख कांप उठे लोग, पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग

बीएनएम @ पचपकड़ी

थाना क्षेत्र के खरिहनिया गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां आपसी विवाद ने हिंसा का खौफनाक रूप ले लिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह 8 से 10 लोगों ने एक अकेले व्यक्ति को चारों ओर से घेरकर बेरहमी से लाठी-डंडों से पीटा। यह दृश्य इतना भयावह है कि वीडियो देखने वालों की रूह कांप उठी। वायरल पहले वीडियो में हमलावरों का एक समूह पीड़ित को घेरकर ताबड़तोड़ लाठियां बरसाता नजर आ रहा है। वहीं दूसरे वीडियो में पीड़ित को पहले धक्का देकर जमीन पर गिराया जाता है, इसके बाद 3 से 4 लोग मिलकर लगातार उस पर लाठी से प्रहार करते दिख रहे हैं। पीड़ित दर्द से चीखता-चिल्लाता रहा, लेकिन हमलावरों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

घायल ने लगाए गंभीर आरोप–इस घटना में घायल कृष्णानंद महतो ने आरोप लगाया है कि राम किशुन साह, संतोष साह, जवाहर साह और हरि मोहन साह ने अचानक लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया। मारपीट की इस घटना में बिलट महतो, कमोद महतो और कृष्णानंद महतो के घायल होने की बात सामने आई है। वीडियो में स्पष्ट है कि मारपीट पूरी योजना और तैयारी के साथ की गई थी। लगभग हर हमलावर के हाथ में बांस और लाठी-डंडे थे। एक अकेले व्यक्ति पर सामूहिक हमला न केवल अमानवीय है, बल्कि क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद इलाके में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो अपराधियों का मनोबल और बढ़ेगा।

पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग–स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि वायरल वीडियो को ठोस साक्ष्य मानते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए, सभी दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

पताही पुलिस का समकालीन अभियान तेज, पांच वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @पताही

थाना क्षेत्र में फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत पताही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में मोतिहारी जेल भेज दिया गया। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में फरार चल रहे वारंटी आरोपियों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है। गिरफ्तार वारंटियों में शाहिद मंसूरी (पिता जैनुल मियां), ग्राम–महमदी; हरिचंद्र पासवान (पिता स्व. जीतू पासवान), ग्राम–भीतघरवा; दस्तगीर मंसूरी (पिता शाहिद मंसूरी), ग्राम–महमदी; रंजीत सिंह (पिता गणेश सिंह), ग्राम–बड़का बलुआ तथा रामबाबू पासवान (पिता जीतू पासवान), ग्राम–भीतघरवा शामिल हैं। थानाध्यक्ष बबन कुमार ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से फरार वारंटियों और अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम लोगों ने पुलिस की सक्रियता और सख्ती की सराहना की है।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत हरसिद्धि प्रखंड मुख्यालय पर एकदिवसीय धरना

बीएनएम @ हरसिद्धि

मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत हरसिद्धि प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में कांग्रेस की ओर से एकदिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नयाज अहमद खान ने की। धरना समाप्ति के बाद कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। धरना को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नयाज अहमद खान ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ने आर्थिक मंदी के कठिन दौर में भी देश की अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है। यह योजना ग्रामीण मजदूरों और गरीब परिवारों के लिए जीवनरेखा साबित हुई, जिससे करोड़ों लोगों को सम्मानजनक रोजगार मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार द्वारा योजना के स्वरूप में बदलाव कर इसके क्रियान्वयन को कमजोर किया जा रहा है, जिससे गरीब, मजदूर और वंचित वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों और सिद्धांतों के विपरीत है। धरना में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार से मनरेगा को पहले की तरह सशक्त करने, मजदूरी भुगतान में हो रही देरी को समाप्त करने और ग्रामीणों को अधिक से अधिक दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। धरना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में मनरेगा को मजबूत बनाए रखने की मांग उठाई।

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यशाला का आयोजनः नवाचार से संवरेगा छात्रों का भविष्य

बीएनएम @ अरेराज

सोमेश्वर प्लस टू विद्यालय के सभागार में शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (PBL) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों की बारीकियों से अवगत कराया और स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी शिक्षक निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रोजेक्ट कार्यों को पूर्ण कराएं ताकि प्रत्येक छात्र को इसका सीधा लाभ मिल सके। कार्यशाला के दौरान प्रखंड तकनीकी समूह के सदस्य मिंटू कुमार मिश्रा ने प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पद्धति के माध्यम से छात्र किताबी ज्ञान के बजाय व्यावहारिक अनुभव से सीखते हैं, जिससे उनमें सोचने, समझने और समस्याओं के समाधान की क्षमता का प्रभावी विकास होता है। वहीं ब्रजभूषण तिवारी ने इस बात पर जोर दिया कि यह शिक्षण पद्धति राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना के पूरी तरह अनुरूप है। उन्होंने सभी शिक्षकों से इस कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। विषय वस्तु को और स्पष्ट करते हुए सदस्य वसंत मणि ने शिक्षकों को बताया कि कक्षा में प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों को शामिल कर पढ़ाई को न केवल रोचक बल्कि अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है। उन्होंने विभिन्न विषयों से जुड़े व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत कर शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। सदस्य सतीश भारद्वाज ने रेखांकित किया कि पीबीएल पद्धति से छात्रों में टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे गुणों का संचार होता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक केवल एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, जबकि छात्र स्वयं सीखने की प्रक्रिया के मुख्य नायक होते हैं। इस अवसर पर संतोष दुबे, मुन्ना उपाध्याय, जीवन ज्योति, हितेश उपाध्याय, धर्मेंद्र मणि तिवारी, चंदन पांडेय, अयूब अंसारी, संजय मंडल, संजय प्रसाद, मंजू कुमारी और श्वेता कुमारी सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस नई पद्धति को अपनाने का संकल्प लिया।

शराब पीने के आरोप में 8 गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बीएनएम @रामगढ़वा

रामगढ़वा पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानों से शराब पीने के मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान भगेलु साह (पिता स्व. बच्चन साह), निवासी मंगलपुर, थाना रामगढ़वा; मोहन कुमार (पिता राजदेव महतो), निवासी बहुआरी, थाना सुगौली; ब्रिज राम (पिता स्व. शिवनन राम) एवं प्रयाग राम (पिता चम्भू राम), दोनों निवासी मौजे अहिरौलिया टोला; राजेश साह (पिता स्व. शिवचंद्र साह), शिवपूजन साह (पिता भानु साह) तथा लक्ष्मी राय (पिता हुसैन राय), तीनों निवासी मुरला, थाना रामगढ़वा; और रामबाबू राउत (पिता स्व. रामसूरत राउत), निवासी ग्राम पिपरिया, थाना पालनवा के रूप में हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि सभी अभियुक्तों की गिरफ्तारी शराब पीने के मामले में की गई है। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून के तहत सभी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा गया है।

डुमरियाघाट में सैरात की जमीन पर सरकारी पेड़ों की कटाई, मुखिया पति पर एफआईआर

» डुमरियाघाट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कटे हुए सेंभल के पेड़ जब्त

बीएनएम@डुमरियाघाट

जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत सेंभुआपुर पंचायत में सैरात की सरकारी जमीन से पेड़ काटे जाने के मामले में पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मुखिया मीणा देवी के पति ध्रुव सहनी के विरुद्ध सरकारी पेड़ काटने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। बताया जा रहा है कि मुखिया पति द्वारा सैरात की भूमि से जबरन पेड़ कटवाए जाने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। जांच में आरोप सत्य पाए जाने पर पुलिस ने कटे हुए सेंभल के पेड़ को जब्त कर थाना लाया। ग्रामीण सोनू कुमार यादव के आवेदन के आधार पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कर लीया है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ विधि-सम्मत अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। यह कारवाई पंचायत स्तर पर सरकारी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

पकड़ीदयाल थाना परिसर में एसपी का जनता दरबार, दो दरोगा निलंबित

» लापरवाही पर कड़ा रुख, फरियादियों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

बीएनएम @पकड़ीदयाल

थाना परिसर में मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे और अपनी-अपनी समस्याएं सीधे एसपी के समक्ष रखीं। जनता दरबार के दौरान भूमि विवाद, जबरन कब्जा, मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने, तथा जांच प्रक्रिया में शिथिलता से जुड़ी कई शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधीक्षक ने एक-एक मामले की गंभीरता से सुनवाई की और संबंधित पदाधिकारियों से मौके की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। सुनवाई के दौरान एसपी स्वर्ण प्रभात ने पकड़ीदयाल एसडीपीओ कुमार चंदन, मधुबन सर्किल इंस्पेक्टर अशोक कुमार प्रसाद एवं पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष को मामलों के त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही लंबित मामलों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। जनता दरबार के दौरान कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एसपी ने पताही थाना में पदस्थापित दरोगा दीप नारायण प्रसाद को निलंबित कर दिया। इसके अलावा पकड़ीदयाल थाना के दरोगा मृत्युंजय कुमार को भी कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया। एसपी की इस सख्त कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है, वहीं आम लोगों ने इसे न्याय और जवाबदेही की दिशा में अहम कदम बताया है।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है।
साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग-लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा- 'कुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है। स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल- मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है। बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड़ने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था। अब खास बात यह हुई है कि वो बढ़ती खाई खुले विभाजन में तब्दील हो गई है।

भारत का निम्न मध्यम आय से उच्च मध्यम आय श्रेणी में अग्रसर होना

प्रहलाद सबनानी

भारत आज अपने आर्थिक इतिहास के एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुका है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में जिस गति से परिवर्तन और विस्तार देखने को मिला है, उसने न केवल देश के आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ किया है बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भारत के निम्न मध्यम आय श्रेणी से उच्च मध्यम आय श्रेणी में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत को निम्न आय श्रेणी से बाहर निकलकर निम्न मध्यम आय श्रेणी में पहुँचने में लगभग 60 वर्षों का समय लगा। वर्ष 1962 में भारत की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय मात्र 90 अमेरिकी डॉलर थी, जो मिश्रित वार्षिक 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2007 में बढ़कर 910 अमेरिकी डॉलर हो गई। इसी वर्ष भारत को विश्व बैंक द्वारा औपचारिक रूप से निम्न मध्यम आय श्रेणी में शामिल किया गया। यह परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव था, किंतु इसके पश्चात विकास की गति में जो तेजी आई, वह कहीं अधिक उल्लेखनीय सिद्ध हुई। यदि सकल घरेलू उत्पाद के आकार पर दृष्टि डालें, तो भारत को वर्ष 2007 में एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में लगभग छह दशक लगे। इसके पश्चात मात्र सात वर्षों में, अर्थात वर्ष 2014 तक भारत का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके अगले सात वर्षों में, वर्ष 2021 तक यह तीन लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि केवल चार वर्षों के भीतर वर्ष 2025 में भारत ने चार लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था का आंकड़ा भी पार कर लिया। विभिन्न आर्थिक आकलनों के अनुसार आगामी दो से तीन वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है। प्रति व्यक्ति आय के संदर्भ में भी भारत की प्रगति इसी प्रवृत्ति को दर्शाती है। वर्ष 2009 में भारत को प्रति व्यक्ति आय के 1,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचने में 62 वर्षों का समय लगा था। किंतु इसके बाद केवल दस वर्षों अर्थात वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गई। वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 2026 तक भारत में प्रति व्यक्ति आय 3,000 अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2030 तक 4,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है। इसी आधार पर यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 तक भारत निम्न मध्यम आय श्रेणी से निकल कर उच्च मध्यम आय श्रेणी में प्रवेश कर जाएगा, जिस श्रेणी में आज चीन और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। विश्व बैंक द्वारा विश्व के देशों को प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिनमें निम्न आय, निम्न मध्यम आय, उच्च मध्यम आय और उच्च आय शामिल हैं। वर्तमान परिभाषा के अनुसार किसी देश को उच्च आय श्रेणी में शामिल होने के लिए उसकी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 13,926 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करनी आवश्यक होती है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 7.5 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। यह वृद्धि दर अव्यावहारिक नहीं मानी जा सकती क्योंकि पिछले 23 वर्षों के दौरान भारत की औसत वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत रही है। इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि भारत आगामी कुछ वर्षों में ही प्रति व्यक्ति औसत आय 4,500 अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो सकता है। इसके पश्चात वर्ष 2047 तक उच्च आय श्रेणी में प्रवेश करने के लिए भारत को प्रति व्यक्ति आय को लगभग 18,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुँचाना होगा। इसके लिए आगामी 23 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में लगभग 8.9 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसी आर्थिक नीतियाँ बनाती हैं, जिनका लाभ समाज के सबसे गरीब और वंचित वर्ग तक सुनिश्चित रूप से पहुँचे तो यह लक्ष्य भी कठिन नहीं प्रतीत होता। वैश्विक स्तर पर यदि तुलना की जाए तो 139 विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से केवल छह देशों की अर्थव्यवस्थाएँ भारत की तुलना में अधिक तेज गति से विकास कर पाई हैं। इसके बावजूद विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत आज भी सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। छोटे देशों के सकल घरेलू उत्पाद का आकार सीमित होने के कारण उनकी प्रतिशत वृद्धि दर अधिक दिखाई देती है, किंतु जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ता है, वैसे-वैसे उच्च वृद्धि दर बनाए रखना कठिन होता जाता है। इस संदर्भ में भारत की आर्थिक उपलब्धियाँ और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। विश्व बैंक के आँकड़े यह भी दर्शाते हैं कि वर्ष 1990 में विश्व में निम्न आय श्रेणी के देशों की संख्या 51 थी, जो वर्ष 2024 तक घटकर 26 रह गई है। इसी प्रकार निम्न मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या भी घटकर 50 रह गई है, जबकि उच्च मध्यम आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 54 और उच्च आय श्रेणी के देशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। यह परिवर्तन वैश्विक आर्थिक संरचना में हो रहे सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। चीन और गयाना जैसे देशों के उदाहरण इस प्रक्रिया को और अधिक स्पष्ट करते हैं। चीन वर्ष 1990 में मात्र 330 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ निम्न आय श्रेणी में था, किंतु वर्ष 2010 तक उसकी प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 4,410 अमेरिकी डॉलर हो गई और वह उच्च मध्यम आय श्रेणी में शामिल हो गया। इसी प्रकार गयाना जैसे छोटे देश ने भी कुछ ही दशकों में निम्न आय श्रेणी से निकलकर उच्च आय श्रेणी में स्थान बना लिया। इन उदाहरणों से यह सिद्ध होता है कि यदि उपयुक्त आर्थिक नीतियाँ, संसाधनों का सही उपयोग और राजनीतिक इच्छाशक्ति मौजूद हो तो तीव्र आर्थिक परिवर्तन संभव है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो से तीन वर्षों में इसके तीसरे स्थान पर पहुँचने की पूरी संभावना है। अनुमान है कि वर्ष 2027-28 तक भारत की अर्थव्यवस्था पाँच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2035-36 तक दस लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकती है। इस संपूर्ण विकास यात्रा में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज को दिए गए पंच परिवर्तन कार्यक्रम, जिसमें नागरिक कर्तव्यों का पालन, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण तथा कुटुम्ब प्रबोधन जैसे विषय शामिल हैं, यदि व्यापक स्तर पर अपनाए जाएँ तो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा मिल सकती है।

संस्कारित परिवारः जागरूक नागरिक, समरस समाज और संवेदनशील राष्ट्र निर्माण की मूल धुरी

कैलाश चन्द्र

भारतीय समाज की रचना में परिवार केवल रक्त-संबंधों का केंद्र नहीं बल्कि एक जीवंत संस्कृति, अनुशासन और भविष्य का निर्माण करने वाली संस्था है। जब दुनिया व्यक्तिगतता उपभोक्तावाद और क्षणिक सुख की संस्कृति में उलझकर अपने मूल्यों से दूर जा रही है, तब हमारे लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि राष्ट्र-निर्माण किसी एक नीति, किसी एक नेतृत्व या किसी एक विचारधारा से नहीं चलता; उसका वास्तविक केंद्र परिवार होता है। परिवार ही वह स्थान है जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ अपना पहला श्वांस, पहला संस्कार, पहली दृष्टि और पहला जीवन-शिक्षण प्राप्त करती हैं। अतः परिवार में संस्कारों की स्थापना केवल निजी जीवन का विषय नहीं बल्कि व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रश्न है। बच्चा अपने जन्म से किशोरावस्था तक घर के वातावरण से जो कुछ ग्रहण करता है, वह आगे चलकर उसके व्यक्तित्व, उसके निर्णयों और उसके सार्वजनिक आचरण का आधार बन जाता है। यदि परिवार का वातावरण अनुशासन, सत्य, परिश्रम, करुणा और कर्तव्य-बोध से भरा है, तो उस घर से एक ऐसा नागरिक निकलता है जिसकी दृष्टि केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं रहती बल्कि वह समाज, प्रकृति और राष्ट्र को अपने अस्तित्व का विस्तार मानता है। भारतीय संस्कृति में 'संस्कार' कोई बाह्य प्रदर्शन नहीं बल्कि आत्मा को गढ़ने वाली आग है, जो धातु को स्वर्ण में बदलने का सामर्थ्य रखती है। संस्कारित बच्चा गृहस्थी से लेकर समाज तक हर स्थान पर संतुलन, मर्यादा और उत्तरदायित्व की भावना लेकर चलता है। यही कारण है कि परिवार में संस्कारों का स्थान राष्ट्र-निर्माण की प्रथम आधारशिला माना गया है। परिवार की इस संस्कारात्मक शक्ति का अगला विस्तार कुटुम्ब और मोहल्ले तक पहुँचता है। जब परिवार के भीतर सद्भाव, सम्मान, संवाद और परस्परता का वातावरण होता है तो वह ऊर्जा केवल घर की चहारदीवारी में नहीं रुकती, बल्कि बाहर मोहल्ले तक फैलती है। एक संस्कारित परिवार मोहल्ले में तनाव, हिंसा, विवाद या अव्यवस्था का कारण नहीं बनता बल्कि वह वातावरण को सुसज्जित और शांत रखने में सहायक होता है। ऐसे परिवार सामाजिक विश्वास को बढ़ाते हैं और एक प्रकार की अदृश्य सामाजिक पूँजी का निर्माण करते हैं, जिससे पूरा नगर और समाज अधिक स्थिर, सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण बनता है। समाज का स्वास्थ्य किसी सरकार या संस्था द्वारा निर्मित नहीं होता; वह घरों के वातावरण से पैदा होता है। यदि घर स्वस्थ हैं तो मोहल्ले सुरक्षित होते हैं और यदि मोहल्ले सुरक्षित हैं तो पूरा समाज नैतिक रूप से मजबूत होता है। संस्कारों का यह प्रभाव केवल मानव-व्यवहार तक सीमित नहीं रहता; वह प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता तक भी विस्तारित होता है। आज दुनिया पर्यावरणीय संकटों का सामना कर रही है, जल-स्रोत सूख रहे हैं, उर्जा का अत्यधिक अपव्यय हो रहा है, वृक्ष कट रहे हैं और जीव-जगत असुरक्षा में जी रहा है। इन सबका समाधान केवल कानूनों या अभियानों से नहीं होगा। समाधान तब आएगा जब परिवार अपने बच्चों को संसाधनों का महत्त्व, प्रकृति के प्रति आदर और मितव्ययता की संस्कृति सिखाएँगे। जब बच्चा घर में यह देखता है कि पानी का अनावश्यक बहाव रोका जाता है, बिजली व्यर्थ नहीं जलाई जाती, पौधों को अपना परिवार माना जाता है, पशु-पक्षियों को दया और सह-अस्तित्व की भावना से देखा जाता है, तब उसके भीतर पर्यावरण संरक्षण कोई बाहरी आदेश नहीं बल्कि आंतरिक संस्कार बन जाता है। भारतीय परंपरा में प्रकृति पूजनीय है और यह पूज्यता परिवार की संस्कृति से ही जीवन का अंग बनती है। अतः पर्यावरण का संरक्षण तभी संभव है जब परिवार अपनी जीवन-शैली में संवेदनशीलता का बीज बोए। परिवार का दायित्व केवल नैतिकता या व्यवहार तक सीमित नहीं है; वह सांस्कृतिक स्वत्व को बनाए रखने का केंद्र भी है। भजन, भोजन, भ्रमण और भेष जैसे विषय केवल क्रिया नहीं बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास के वाहक हैं। यदि परिवार अपने घर में अपनी परंपराओं के भजन, मंत्र, कथा और लोकध्वनियों को स्थान देता है तो बच्चों में आध्यात्मिकता कृत्रिम नहीं, सहज बनती है। भोजन में स्थानीयता और स्वदेशीता अपनाने से बच्चे यह सीखते हैं कि जीवन का पोषण धरती के अपने अनाज और अपनी परंपरा से होता है। भ्रमण यदि विदेशी चमक के पीछे न भागकर अपने देश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भूगोलिक धरोहरों को देखने पर आधारित हो, तो बच्चों में इतिहास-बोध और राष्ट्र-गौरव जन्म लेता है। भेष में भारतीयता का सम्मान केवल कपड़ा नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान की सौम्यता है। जब परिवार "स्व" का भाव अपनाता है, तब उसकी संतति सांस्कृतिक रूप से मजबूत, आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से स्थिर बनती है। इन सबके साथ ही समरसता का महत्व सर्वोच्च है। समरस परिवार वह है जिसमें सभी सदस्य एक-दूसरे को सम्मान देते हैं, किसी को कमतर या अधिकतर नहीं मानते और सबके स्वभाव और कर्तव्य को समझते हैं। समरसता का यह भाव घर से निकल कर समाज में समान रूप से फैलता है। आज दुनिया विभाजनों, उपहास, तनाव और घृणा की राजनीति से जूझ रही है। यदि परिवार के भीतर समरसता होगी तो समाज विभाजन से मुक्त होगा। समरस परिवारों से ही समरस समाज जन्म लेता है और ऐसा समाज ही एक समरस राष्ट्र का आधार बन सकता है। जाति, भाषा, वर्ग और क्षेत्र के कृत्रिम भेद तभी समाप्त होंगे जब परिवारों में एकात्मता की भावना विकसित होगी। समरस परिवार समाज के लिए जीवंत उदाहरण बनता है कि विविधता संघर्ष का नहीं बल्कि सहयोग और पूरकता का आधार है।

भूल से भी न करें कोई भूल, सारा समाज हमारा अपना है

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

हमारा देश इसीलिए महान है क्योंकि यहां भिन्न-भिन्न विचारधाराएं हैं। लेकिन जब बात राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की आती है तो समूचा समाज एकजुट होता है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती का ये संदेश देखिए- "विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी द्वारा देश के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों मे जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए जो नये नियम लागू किये गये है, जिससे सामाजिक तनाव का वातावरण पैदा हो गया है। ऐसे वर्तमान हालात के मद्देनजर रखते हुये सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नये नियम पर रोक लगाने का आज का फैसला उचित। जबकि देश में इस मामले में सामाजिक तनाव आदि का वातावरण पैदा ही नहीं होता, अगर यूजीसी नये नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती और जांच कमेटी आदि में भी अपर कास्ट समाज को नेचुरल जस्टिस के अन्तर्गत उचित प्रतिनिधित्व दे देती।" वास्तव में ये भावना ही हमारे भारतीय समाज को एक करती है। मायावती वो नेता हैं जो सामाजिक न्याय के नाम पर राजनीति में आईं। एक समय तक उनके कटु, तीक्ष्ण बयान भी सुने गए। लेकिन वो अपने तरह की राजनीति है। समाज ने उसे भी स्वीकारा। वो सत्ता के शीर्ष पर भी रहीं। किंतु दूसरी ओर अनुच्छेद 370 के हटाने से लेकर, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, ऑपरेशन सिंदूर और अब 'यूजीसी विवाद'- इन सबमें में राष्ट्रीयता के स्वर को मुखरता से रखा है। क्योंकि वो जानती हैं कि देश प्रथम की भावना के साथ ही समाज चल सकता है। राजनीति अपनी जगह है। सत्ता अपनी जगह है लेकिन सबसे श्रेष्ठ होती है राष्ट्रीय एकता। मायावती जी ने उसी भाव और प्रतिबद्धता को बारंबार समाज के बीच प्रकट किया है। यही हमारे देश की सुंदरता है। वहीं, सर्वोच्च नियामक संस्था सुप्रीम कोर्ट बारंबार ये बताता है कि संविधान निर्माताओं की दृष्टि का पालन हर किसी को करना पड़ेगा। उन लोगों से बारंबार निवेदन है जो सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी गाइडलाइन को लेकर दिए गए निर्णय को अपने-अपने चश्मे से देख रहे हैं। यूजीसी की गाइडलाइन का 'जातीय चश्मे' से समर्थन और विरोध करने वालों से निवेदन है कि कृपया इसे अहं का विषय न बनाएं। ये न तो किसी जाति या वर्ग की जीत है और न किसी की हार। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय 'सत्यमेव जयते' के ध्येय वाक्य पर आधारित है। ये समूचा समाज हमारा अपना है। किसी के साथ कोई भेदभाव स्वीकार नहीं किया जा सकता। जो व्यक्ति, दल या नेता- 'आरक्षित और अनारक्षित वर्ग' के नाम पर विद्वेष और विभाजन फैलाए, उन्हें पहली फुर्सत में हमें और आपको ही नकारना होगा। आप और हम ये समझें कि जहां भी सामाजिक विभाजन की बात आएगी। अलगाव की बात आएगी। हम सब हर उस व्यक्ति और विचार के ख़िलाफ़ खड़े होंगे। जो हमारी एकता को तोड़ना चाहते हैं। ये हमारा प्रथम कर्तव्य है। यूजीसी की नई गाइडलाइन का विरोध इसीलिए है क्योंकि ये संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। ये गाइडलाइन सामाजिक समरसता को तोड़ने वाली और वर्ग के आधार पर विभाजन फैलाने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट के यूजीसी की नई गाइडलाइन पर अभी लगाए गए स्टे और टिप्पणी ने ये बताया है कि कोई भी नियम, कानून, दिशा-निर्देश सामाजिक एकता, सुरक्षा और भेदभाव दूर करने के लिए लाए जाते हैं, न कि विभाजन फैलाने के लिए। अशांति और उपद्रव के फैलाने के लिए। जाति या वर्ग के नाम पर जो लोग उन्माद फैला रहे हैं। एक-दूसरे को अगर जाने-अनजाने किसी भी रुप में आहत कर रहे हैं तो कृपया ये न करें। क्योंकि अगर हम अपनी जातीय पहचान और जातीय दंभ के नाम पर समाज को बांटेंगे तो ये देश को और समाज को बांटने वाला होगा। सही का साथ, ग़लत का विरोध करना ही चाहिए। दूषित राजनीति, स्वार्थी तत्व और भारत विरोधी गैंग तैयार बैठी है कि कब हम और आप कोई चूक करें। फिर वो देश में अशांति और वैमनस्य फैलाने में जुट जाएं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय के बाद से एक गैंग सक्रिय हो गई है। टूलकिट शुरू हो गई है कि जातीय आधार पर लोगों की भावनाओं को हवा दी जाए। किसी को बड़ा और किसी को छोटा बनाने की पुरज़ोर कोशिशें जारी हो गई हैं। लच्छेदार शब्दों, इमोशनल ढंग से संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने का अभियान भी बड़ी चतुराई से शुरू हो चुका है। क्योंकि वो ये चाहते हैं कि विभाजन की चिंगारी से समाज को झुलसने के लिए छोड़ दिया जाए। अतएव सावधानी और सतर्कता रखिए। ये समय 'शब्दों और बौद्धिक युद्ध' का है। देश और समाज के शत्रु घात लगाए बैठे हैं कि कब आपको उद्वेलित किया जाए। कब जातिगत आधार पर समाज को निशाना बनाया जाए। एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए सोशल मीडिया में कंटेट भी ख़ूब सर्कुलेट किए जा रहे हैं। हम सबकी जो शाश्वत पहचान भारतीय होने की है। हिन्दू होने की है। उसे कमतर दिखाने और जातीय पहचान को बड़ा दिखाने का अभियान भी शातिर बदमाश शुरू कर चुके हैं। युवाओं से विशेष निवेदन है कि धैर्य के साथ काम करें। आपका समर्थन और विरोध अपनी जगह हो सकता है। आक्रोश और उत्साह अपनी जगह है। लेकिन हम कहीं भी कोई ऐसी बात न कहें, न लिखें, न किसी की ऐसी बात सुनें जो किसी भी प्रकार के विभाजन को हवा देने वाली हो। क्योंकि स्वार्थी राजनीति, विभाजन फैलाने वाले लोग हमें आपस में लड़ा देंगे। इसमें उनके स्वार्थ होंगे। उसमें वो कामयाब हो जाएंगे। लेकिन समाज में अगर भेदभाव या जातीय विभाजन की खाई बनी तो उसे पाटने में न जाने कितना समय लग जाएगा। इससे व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की हानि होनी तय है। क्या हम ये स्वीकार करेंगे? संपूर्ण हिन्दू समाज हमारा अपना समाज है। संविधान और कानून की परिभाषा में हम - ST/ SC/ OBC/ GENERAL/ EWS — आदि की कैटेगरी में गिने जा सकते हैं। हमारी अलग-अलग जातीय पहचानें हो सकती हैं। लेकिन हम ये याद रखें कि हम सबकी एक विराट पहचान हिन्दू होने की है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपका मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है, जिसे आप निराश नहीं करेंगे। आज आपको पिछले कुछ समय से किए गए प्रयासों का फल मिलने वाला है। आज आपको बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपको ऑफिस में किसी काम को लेकर डांट पड़ सकती है। ज

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में लाभ पाने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके अंदर पॉजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे। वह समय से पूरा हो जायेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने में आपको सफलता मिलेगी। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आप अपने संतान के करियर के लिए उसके गुरु से बातचीत कर सकते है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को ख़ुशी होगी। आज आपको किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचना चाहिए, यह आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान दें। इससे आपको जरूरी बातें पता चल सकती हैं।

कन्या राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको दूरसंचार से शुभ सूचना मिलेगी, इससे आपके परिवार में खुशियों का माहौल बन जायेगा। बच्चों से आपको गुड न्यूज़ मिल सकती है। आर्टस के स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। उनके मन में आज नए विचार आयेंगे। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज अच्छी जॉब मिलेगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ख़ास काम बन जाने से आपका मनोबल बढ़ेगा। आज किसी भी प्रकार का इन्वेस्टमेंट करते समय बजट का ध्यान रखें। इस राशि के जो लोग जॉब करते हैं उनकी तरक्की के योग बन रहे हैं। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी काम में दूसरों की बातों को सर्वोपरि न रखकर अपने आप पर विश्वास करें तो लाभ अवश्य मिलेगा। किसी जरूरी काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके घर रिश्तेदार आ सकते हैं, जिनसे मिलकर आपको काफी अच्छा लगेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता करेंगे। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी बनाई गयी योजना आपके बिजनेस के लिए अच्छी साबित होगी। आज कुछ बड़ा और अलग करने की सोच सकते है। इस राशि की महिलाओं का दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप पिछली गलतियों से कुछ नया सीखकर आगे बढ़ेंगे। आज आपका दिन कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की वजह से व्यस्त रहेगा। नए कार्यों को लेकर आपकी उत्सुकता बढ़ेगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके घर खास मेहमान आ सकते हैं, जिससे घर में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का मन बनाएंगे। माताएं अपने बच्चों को कुछ अच्छा सुनाएंगी। आपकी भौतिक सुख सुविधाएँ बनी रहेगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत- न्यूजीलैंड के बीच आज होगा पांचवां और अंतिम टी20

» घरेलू मैदान पर सैमसन की होगी परीक्षा

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

भारतीय क्रिकेट टीम यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले ही शुरुआती तीन मैच जीतकर सीरीज जीत ली है। ऐसे में उसपर कोई दबाव भी नहीं रहेगा। भारतीय टीम को चौथे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में टीम अपनी इस कमजोरी को इस मैच में दूर करना चाहेगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन इस सीरीज में अच्छा रहा है पर सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन अब तक सीरीज में असफल रहे हैं। सैमसन अब अपने घरेलू मैदान पर बड़ी पारी

खेलकर अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करना चाहेंगे। इसी कारण सभी की नजरें उनपर रहेंगी। वहीं अगर सैसमन इस मैच में रन नहीं बना पाते हैं तो विश्कप में उन्हें टीम में शायद ही जगह मिले। इससे पहले चौथे टी20 मैच में भारतीय टीम ने पांच मुख्य गेंदबाजों को ही खिलाया था और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं करवाई। भारतीय टीम ये मैच हार गयी है। ऐस में अंतिम मैच में एक बार फिर गेंदबाजी संयोजन में बदलाव किया जा सकता है। इस मैच में एक बार फिर रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को अवसर मिल सकता है। ऑलराउंडर अक्षर पटेल नागपुर में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उंगली में चोट लगने के बाद से नहीं खेले हैं उन्हें भी फिट होने पर इस मैच में जगह मिल सकती है। अब तक सीरीज में किये प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम इस सीरीज में जीत की प्रबल दावेदार बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी इस मैच ो जीतकर विश्वकप से पहले अपनी लय और मनोबल को बढ़ाना चाहेगी। , पिछले मैच में उसके गेंदबाज और बल्लेबाज सफल रहे थे जिससे उसका हौंसला बढ़ेगा। विशाखापत्तनम में भारतीय टीम के केवल शिवम दुबे ही कीवी गेंदबाजों के सामने टिक पाये थे। यहां के मैदान की बात करें तो इसमें बड़े स्कोर बने हैं। भारतीय टीम ने यहां खेले गए अपने चार टी20 मैचों में से तीन जीते हैं, जिसमें 2017 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता गया एक मैच भी शामिल है। वहीं मेहमान टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा, हम जानते हैं कि भारतीय टीम को हराने के लिए क्या करने की जरुरत है। ऐसे में यहां एक रोमांचक मुकाबला होना तय है। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के टीम में शामिल होने से भी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहतर हुई है। टीम को हालांकि अपनी गेंदबाजी बेहतर करनी होगी। इस मैच में कीवी टीम फिट होने पर अपने मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन को भी शामिल कर सकती है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11 :

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह , वरुण चक्रवर्ती

न्यूजीलैंड : मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

टी20 विश्ककप में सैमसन को शायद ही अवसर मिले

एजेंसी, विशाखापत्तनम

विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ चल चौथे टी20 मैच में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 23 रन ही बना पाये। इससे अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में सैमसन की जगह खतरे में पड़ती जारी है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके भविष्य पर भी सवाल उठ गये है। सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी जगह टीम20 सीरीज में ईशान किशन को पारी की शुरआत के लिए अवसर मिल सकता है। सैमसन की फॉर्म में निरंतरता की कमी हमेशा से एक मुद्दा रही है। वह चार पारियों में कुल मिलाकर 39 रन बना पाये हैं। पहले तीनों मैच में तेज गेंदबाजों वह चौथे मैच में स्पिनर का शिकार बने। सैमसन के खराब प्रदर्शन के बाद भी हालांकि गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और पूर्व खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे ने उनका समर्थन किया है। मोर्कल का मानना है कि सैमसन सिर्फ एक अच्छी पारी दूर हैं और वह नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान के श्रीकांत ने कहा है कि उनकी जगह पर ईशान को अवसर मिलना चाहिये। ईशान और ऋषभ जैसे अन्य विकेटकीपर-बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के कारण, सैमसन की जगह खतरे में है। ऐसे में चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के पास कई विकल्प मौजूद हैं। इसलिए अगर सैमसन अगले मैचों में अपनी फॉर्म वापस नहीं पाते हैं, तो उनके लिए टीम में बने रहना कठिन हो सकता है। उन्हें अब एक बड़ी पारी खेलकर अपने को साबित करना होगा। इस बार भी वह असफल रहते हैं तो कोई उन्हें टीम में अवसर नहीं दिला सकता।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : अल्कराज़ ने ज़्वेरेव को पांच सेटों के मुकाबले में हराया, पहली बार फाइनल में

एजेंसी, मेलबर्न

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज़ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जबरदस्त जज़्बा और साहस का प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव को रोमांचक पांच सेटों के मुकाबले में शिकस्त दी। अल्कराज़ ने शुक्रवार को खेले गए इस ऐतिहासिक मुकाबले में 6-4, 7-6(5), 6-7(3), 6-7(4), 7-5 से जीत दर्ज कर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला मेलबर्न में अब तक का सबसे लंबा सेमीफाइनल भी रहा। 22 वर्षीय अल्कराज़ को तीसरे सेट के दौरान दाहिने पैर में समस्या का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उनकी मूवमेंट काफी सीमित हो गई। इसके बावजूद उन्होंने बेहतरीन शॉट मेकिंग और सटीक प्लेसमेंट के दम पर मुकाबले को

जीवित रखा और करियर ग्रैंड स्लैम की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। रॉड लेवर एरीना में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार सर्विस होल्ड्स किए। पहले सेट में ज़्वेरेव की डबल फॉल्ट ने अल्कराज़ को ब्रेक दिलाया, जिसका फायदा उठाते हुए स्पेनिश खिलाड़ी ने पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ज़्वेरेव ने 5-2 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अल्कराज़ ने जबरदस्त वापसी करते हुए टाईब्रेक में सेट जीत लिया। तीसरे सेट में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन 4-4 के स्कोर पर अल्कराज़ को पैर में परेशानी हुई। मेडिकल टाइमआउट के दौरान ज़्वेरेव ने अंपायर से नियमों को लेकर नाराज़गी भी जताई। इसके बावजूद अल्कराज़ ने खेल जारी रखा, हालांकि ज़्वेरेव ने टाईब्रेक जीतकर मैच में वापसी की। चौथे सेट में अल्कराज़ की मूवमेंट धीरे-धीरे बेहतर होती दिखी, लेकिन ज़्वेरेव ने मजबूत सर्विस के दम पर एक और टाईब्रेक जीतकर मुकाबले को निर्णायक पाँचवें सेट तक खींच लिया। अंतिम सेट में ज़्वेरेव ने शुरुआती ब्रेक लिया, लेकिन अल्कराज़ ने शानदार नेट प्ले और लाजवाब विनर्स के जरिए वापसी की। दसवें गेम में अल्कराज़ ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया और फिर मुकाबले को जीतकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। यह इस साल सेंटर कोर्ट पर खेला गया पहला पाँच सेटों का मैच था। अब अल्कराज़ रविवार को होने वाले फाइनल में नोवाक जोकोविच या यानिक सिनर से भिड़ेंगे। अगर वह फाइनल जीतते हैं, तो अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा कर लेंगे।

गाडेकी–पीयर्स ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स खिताब बरकरार

एजेंसी, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया की ओलिविया गाडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में इतिहास रच दिया। इस जोड़ी ने शुक्रवार को खेले गए मिक्स्ड डबल्स फाइनल में फ्रांस की क्रिस्टिना म्लादेनोविच और मैनुअल गुइनार्ड को 4-6, 6-3, 10-8 से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही गाडेकी और पीयर्स 37 वर्षों में ऑस्ट्रेलियन ओपन मिक्स्ड डबल्स का खिताब बचाने वाली पहली जोड़ी बन गई। इससे पहले आखिरी बार 1989 में जाना नोवोत्ना और जिम प्यूग की जोड़ी ने लगातार दो बार यह खिताब जीता था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की किसी जोड़ी द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने का रिकॉर्ड इससे भी पुराना है। 62 साल पहले मार्गरेट कोर्ट और केन फ्लेचर ने यह कारनामा किया था। फाइनल मुकाबले की बात करें तो फ्रांसीसी जोड़ी ने पहले

सेट में बेहतर खेल दिखाते हुए कई ब्रेक के बीच 6-4 से बढ़त बनाई। हालांकि, घरेलू दर्शकों के समर्थन से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शानदार वापसी की और दूसरा सेट 6-3 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैच का फैसला 10 अंकों के सुपर टाईब्रेक में हुआ, जहां गाडेकी और पीयर्स एक समय 5-7 से पीछे चल रहे थे। लेकिन दबाव के इस क्षण में दोनों खिलाड़ियों ने संयम और साहस का परिचय देते हुए लगातार अंक बटोरे और दूसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर जीत दर्ज की। रॉड लेवर एरीना में मौजूद घरेलू दर्शक इस ऐतिहासिक जीत के साथ खुशी से झूम उठे।

भारतीय टीम टी20 विश्वकप खिताब जीतने में सफल रहेगी : शास्त्री

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री के अनुसार इस बार भारतीय टीम अपने टी20 विश्वकप खिताब को बरकरार रखने में सफल रहेगी। शास्त्री का मानना है कि जिस प्रकार का प्रदर्शन भारतीय टीम का इस प्रारुप में रहा है उसको देखते हुए भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इससे भारतीय टीम विश्वकप इतिहास में लगातार दो बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन सकती है। है। भारतीय टीम सला 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद से ही अजेय रही है। उसके बाद से ही उसे किसी भी सिरीज में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत का जीत-हार का रिकॉर्ड 32-5 का है, जो किसी भी विरोधी टीम पर दबाव बनाने के लिए पर्याप्त है। अभी भारतीय टीम टी20 रैंकिंग में विश्व की नंबर 1 एक टीम है। भारतीय टीम के पास अभी विश्व के सबसे प्रतीभाशाली खिलाड़ी हैं। टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती दोनो ही रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। इन दोनो का सामना करना किसी भी टीम के लिए काफी मुश्किल होगा। शास्त्री ने कहा कि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी के साथ ही फील्डिंग भी काफी अच्छी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मौजूला चैंपियंस स्पष्ट रूप से जीत के प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेंगे। अगर आप एक-एक खिलाड़ी को देखें, उनकी मौजूदा फॉर्म, मैच फिटनेस और हाल के

दिनों में उन्होंने जितना क्रिकेट खेला है, यह सब उन्हें साफ तौर पर पसंदीदा बनाता है। खास तौर पर जब आप उनके शीर्ष क्रम और उनकी मौजूदा फॉर्म को देखते हैं, तो भी वह जीत क प्रबल दावेदार नजर आते हैं। शास्त्री का मानना है कि भारतीय चयनकर्ताओं ने टीम में युवा जोश और अनुभवी दोनो ही खिलाड़ियों को शामिल किया है। इससे टीम के लिए विश्व कप जीतना आसान होगा। उन्होंने कहा, कई खिलाड़ियों पर अतीत का कोई बोझ नहीं है। वे अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं और यह उनके लिए अपने स्वाभाविक खेल को खुलकर दिखाने का मौका है। वहीं, दूसरी तरफ आपके पास वेस्टइंडीज में पिछला विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाड़ी भी हैं, जो अपने साथ ढेर सारा अनुभव लेकर आए हैं। पूर्व मुख्य कोच ने कहा, टीम में जसप्रीत बुमराह हैं और हार्दिक पांड्या हैं। मुझे लगता है कि हार्दिक इस वक्त जबरदस्त फॉर्म में हैं और उनमें गेंद व बल्ले दोनों से मैच जिताने की काबिलियत है। इसके अलावा शिवम दुबे का प्रदर्शन भी काफी शानदार रहा है और वह एक बेहतरीन खिलाड़ी बनकर उभरे हैं।

व्यापार

बजट के पहले शेयर बाजार की तेजी पर ब्रेक, कमजोरी के साथ सेंसेक्स-निफ्टी बंद

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज ब्रेक लग गया। बजट पेश होने के पहले निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते हुए नजर आए। वहीं कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण शेयर बाजार में पूरे दिन कमजोरी बनी रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 625 अंक से अधिक टूट गया था। इसी तरह निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 205 अंक से अधिक लुढ़क गया था। हालांकि, बाद में चुनिंदा शेयरों में हुई खरीदारी के कारण दोनों सूचकांकों की स्थिति में काफी हद तक सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.36 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल सेक्टर के शेयरों की सबसे अधिक बिकवाली होती रही। बिकवाली के दबाव में मेटल इंडेक्स 5.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, आईटी, ऑयल एंड गैस तथा टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और मीडिया सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,367 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,424 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,781 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,899 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,661 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,238 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के

साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 619.06 अंक की कमजोरी के साथ 81,947.31 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन दोपहर 11 बजे के बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया। इस बिकवाली के कारण सेंसेक्स 625.34 अंक की गिरावट के साथ 81,941.03 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे के करीब खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 500 अंक की रिकवरी करके 82,430.82 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 296.59 अंक लुढ़क कर 82,269.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 171.35 अंक टूट कर 25,247.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद दिन भर लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में निफ्टी 205.25 अंक लुढ़क कर 25,213.65 अंक तक गिर गया। खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इसने निचले स्तर से 150 अंक से अधिक की रिकवरी कर 25,370.70 अंक तक पहुंचने में सफलता भी हासिल की। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 98.25 अंक की कमजोरी के साथ 25,320.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्टॉक मार्केट में शायोना इंजीनियरिंग की सपाट शुरुआत, नुकसान में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, हैवी फैब्रिकेशन, कास्टिंग, फॉर्जिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग और टर्न-की प्रोजेक्ट मशीनरी के बिजनेस में लगी कंपनी शायोना इंजीनियरिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 144 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 144 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 137.40 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसस इसकी स्थिति में सुधार भी हुआ। सुबर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 143 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.69 प्रतिशत के नुकसान

में थे। शायोना इंजीनियरिंग का 14.86 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 27 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.73 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.32 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी प्लांट और मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 61 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.71 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 2.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक कंपनी को 2.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई।

मारुति सुजुकी ने तकनीकी समाधान के लिए पांच स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड अपने विभिन्न व्यावसायिक कार्यों के लिए नए तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए पांच स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है। कंपनी के मुताबिक इन पांच स्टार्टअप में ऑगुरएआई, आत्राल, जेन मोबिलिटी, इंडस विजन और प्रॉक्सी हैं। इन्हें मारुति सुजुकी इनक्यूबेशन प्रोग्राम (एमएसआईपी) के चौथे समूह से चुना गया है। यह कार्यक्रम आईआईएम बेंगलुरु के उद्यमिता और स्टार्टअप सहायता केंद्र, नादथुर एस राघवन सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरियल लर्निंग के साथ साझेदारी में चलाया जाता है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने एक बयान में कहा कि उपभोक्ताओं की बदलती पसंद, बढ़ते पैमाने, विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो, लगभग 100 निर्यात बाजारों में अलग-अलग नियमों और स्थिरता पर बढ़ते जोर की वजह से परिचालन परिदृश्य जटिल होता जा रहा है। ऐसे में तकनीक एक रणनीतिक सहारा बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि उत्कृष्टता बनाए रखने, जटिलताओं से निपटने और दीर्घकालिक व तेज वृद्धि के लिए सभी व्यावसायिक कार्यों में नए जमाने की तकनीकों को शामिल करना महत्वपूर्ण है।

वैश्विक बाजार में गिरावट, घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी से नए शिखर पर पहुंचा सोना

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट आने के बावजूद घरेलू सर्राफा बाजार में आज भी तेजी का रुख बना रहा। आज के कारोबार में हाजिर सोना ने जोरदार छलांग लगाई है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण हाजिर सोना आज 10,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 11,770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक तेजी नजर आ रही है। सोने के भाव में आए इस जोरदार उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,78,860 रुपये से लेकर 1,79,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,63,960 रुपये से लेकर 1,64,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में आई सांकेतिक तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 4,10,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,79,010 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,64,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,63,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,78,910

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,64,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,63,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,63,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,78,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,64,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,79,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,64,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,78,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,64,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,79,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,64,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लाएगी 191 करोड़ रुपये के आईपीओ, डीआरएचपी दाखिल

नई दिल्ली। मुंबई की कंपनी बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 191 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी ने आईपीओ लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी का 10 रुपये फेस वैल्यू वाला ये आईपीओ 191 करोड़ रुपये के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल नहीं है। इस आईपीओ से प्राप्त सभी आय सीधे कंपनी को जाएगी। कंपनी इस इश्यू से मिलने वाले 125 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अपने कुछ बकाया कर्जों का भुगतान करने में करेगी। 18 करोड़ रुपये सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ मौजूदा लीज व्यवस्था के तहत कैपिटल इक्विपमेंट के अधिग्रहण की लागत को फाइनेंस करने के लिए और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध होंगे। स्मार्ट होराइजन कैपिटल एडवाइजर प्राइवेट लिमिटेड इस आईपीओ का बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज रजिस्ट्रार है।

BOMBAY COATED & SPECIAL STEELS LTD.
A Complete Steel Processing Centre.

श्रुति हासन : विरासत से नहीं, टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। 1986 में जन्मीं श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्र्यूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली। महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाई। एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म अनागनगा ओ धीरुडु (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। रेस गुर्रम (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने डी-डे, रामैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन उन्नैपोल ओरुवन से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। श्रुति हासन का सफर इस बात का प्रमाण है कि पहचान नाम से नहीं, काम से बनती है और सुर, स्क्रीन और संवेदनाओं का यह संगम अभी और भी लंबा चलना है।

शब्द नहीं, भावनाएँ बोलेंगी: अदिति राव हैदरी की गांधी टॉक्स

अदिति राव हैदरी अपनी अगली फिल्म गांधी टॉक्स के साथ अब तक का सबसे अलग कदम उठा रही हैं। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है और कहानी पूरी तरह भावनाओं और अभिनय के ज़रिए आगे बढ़ती है। अदिति उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो चलन के पीछे भागती हैं। उन्होंने हमेशा ऐसी फिल्में चुनी हैं जहाँ अभिनय और कहानी को ज़्यादा अहमियत दी गई हो। गांधी टॉक्स भी उसी सोच का हिस्सा है। इस फिल्म में अदिति को बिना संवाद के अपने चेहरे, आँखों और भावों के ज़रिए किरदार निभाते देखा जाएगा। साइलेंट फिल्म में कलाकार के पास छुपने की कोई जगह नहीं होती, और अदिति इस चुनौती को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाती नज़र आती हैं। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर में दोनों की केमिस्ट्री साफ़ नज़र आती है। ए. आर. रहमान का संगीत फिल्म की भावनाओं को और गहराई देता है, जबकि निर्देशन किशोर पांडुरंग बेलेकर ने किया है। गांधी टॉक्स भले ही एक अलग तरह की फिल्म हो, लेकिन अदिति राव हैदरी के करियर को देखते हुए यह फैसला बिल्कुल स्वाभाविक लगता है। यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को दुनियाभर में रिलीज़ होगी।

बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू को क्यों नहीं मिली जगह, डायरेक्टर अनुराग सिंह ने तोड़ी चुप्पी

फिल्मों के सीक्वल को लेकर दर्शकों की उम्मीदें हमेशा बहुत ज्यादा होती हैं। खासकर जब बात 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर की हो, तो सनी देओल, जैकी श्रॉफ और तब्बू जैसे कलाकारों ने उस फिल्म को खास बनाया था, लेकिन बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू की कमी दर्शकों ने महसूस की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए दोनों को फिल्म में शामिल न करने को लेकर कई सवाल किए। अब इन सभी सवालों का जवाब फिल्म निर्देशक अनुराग सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए दिया। बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह ने कहा, किसी भी फिल्म की कास्टिंग भावनाओं या पुराने जुड़ाव के आधार पर नहीं, बल्कि कहानी की जरूरत के अनुसार होती है। फिल्म बनाते वक्त सबसे पहले कहानी पर ध्यान दिया जाता है, न कि इस बात पर कि किस अभिनेता को दोबारा लिया जाए। कहानी जिस तरह के किरदार मांगती है, कलाकारों का चयन उसी हिसाब से किया जाता है। अनुराग सिंह ने कहा, कोई भी निर्देशक यह सोचकर स्क्रिप्ट नहीं लिखता कि उसे किसी खास अभिनेता को ही लेना है। पहले एक ऐसी कहानी लिखी जाती है जो सच्ची लगे और दिल को छुए। उसके बाद यह सोचा जाता है कि उस किरदार को कौन सा कलाकार अच्छे से निभा पाएगा। कई बार ऐसा भी होता है कि किरदार लिखते समय किसी अभिनेता का चेहरा अपने आप दिमाग में आ जाता है, लेकिन यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती है, दबाव में लिया गया फैसला नहीं है। सनी देओल को लेकर अनुराग सिंह ने कहा, बॉर्डर फ्रेंचाइजी को अगर किसी चेहरे से सबसे ज्यादा पहचाना जाता है, तो वह सनी देओल हैं। बॉर्डर नाम आते ही दर्शकों के मन में सनी देओल की छवि उभर आती है। इसलिए अगर बॉर्डर बनाई जा रही है, तो उसमें सनी देओल का होना जरूरी है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सनी देओल और निर्देशक जेपी दत्ता की पहचान बन चुकी है। अनुराग सिंह ने कहा, रचनात्मकता पर जोर डालकर किसी अभिनेता को कहानी में फिट नहीं किया जा सकता। कुछ फिल्मों में यह संभव हो सकता है, लेकिन बॉर्डर 2 जैसी गंभीर और भावनात्मक फिल्म में ऐसा करना सही नहीं होता। अगर कहानी किसी और दिशा में जा रही है, तो कलाकारों का चयन भी उसी रास्ते पर चलता। निर्देशक ने कहा, पूरी स्क्रिप्ट, किरदारों की गहराई और कहानी की मांग को देखकर मुझे लगा कि जो कास्ट चुनी गई है, वही इस फिल्म के लिए सबसे सही है। इसलिए उसी फैसले के साथ आगे बढ़ा गया। किसी कलाकार को शामिल न करने का मतलब यह नहीं कि उनके काम या योगदान को कम आंका गया है। बॉर्डर 2 में इस बार नई पीढ़ी के कलाकारों को अहम जिम्मेदारी दी गई है। फिल्म में वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार सेना के जवानों के किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसी अभिनेत्रियां हैं। यह फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, उनमें ताकत और डर का मिश्रण : चित्रांगदा सिंह

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया। चित्रांगदा ने आगे कहा, ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है। फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी। बैटल ऑफ गलवान 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

एक साल, कई रोल्सः एक्टिंग डेब्यू से वर्ल्ड टूर तक, बर्थडे पर मुन्नवर फ़ारूक़ी का रिफ्लेक्शन

आज अपना जन्मदिन मना रहे एक्टर मुन्नवर फ़ारूक़ी इस बार किसी ग्रैंड पार्टी के मूड में नहीं हैं। बड़े जश्न की जगह मुन्नवर ने फैसला किया है कि वह अपना खास दिन अपने बेहद करीबी दोस्तों और परिवार के साथ सादगी से मनाएंगे। लगातार व्यस्त और कामयाब रहे साल के बाद, मुन्नवर ने अपने टाइट शेड्यूल से थोड़ा ब्रेक लेकर अपनों के साथ इस नए साल की शुरुआत करने का मन बनाया है। प्रोफेशनल फ्रंट पर बीता साल मुन्नवर के लिए काफी इवेंटफुल रहा। उन्होंने फ़र्स्ट कॉपी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और बाद में इसका दूसरा सीज़न भी आया। एक्टिंग के साथ-साथ मुन्नवर ने अपनी पहली इंटरनेशनल स्टैंड-अप वर्ल्ड टूर भी पूरी की, जहां उन्होंने कई देशों में परफॉर्म किया। इसके अलावा, वह पति पत्नी और पंगा, द सोसाइटी सीज़न 1, हफ्ता वसूली जैसे पॉपुलर रियलिटी शोज़ को भी होस्ट करते नज़र आए। पिछले साल को याद करते हुए मुन्नवर ने कहा कि वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर दर्शकों से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए बेहद आभारी हैं। उन्होंने साझा किया,पिछला साल मेरे लिए बहुत खास और बेहद बिज़ी रहा। फ़र्स्ट कॉपी के साथ मेरा पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट करना और उसके दोनों सीज़न्स को इतना प्यार मिलना, फिर अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी को पहली इंटरनेशनल वर्ल्ड टूर तक ले जाना, यह सब मेरे लिए सीख और ग्रोथ से भरा रहा। मैं दर्शकों का दिल से शुक्रगुज़ार हूं कि उन्होंने मुझे इतने अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर अपनाया और तरह-तरह का काम करने का मौका दिया। इस साल मैं कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहता हूं और खुद को क्रिएटिवली चैलेंज करना चाहता हूं। फिलहाल तो बस इतना ही चाहा कि अपने बिज़ी शेड्यूल से थोड़ा वक्त निकालकर परिवार और करीबी दोस्तों के साथ सादगी से अपना बर्थडे मना लूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो मुन्नवर के पास एक्टिंग, कॉमेडी और म्यूज़िक से जुड़े कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन-अप हैं। इनमें महेश मांजरेकर के साथ अंगड़िया और द सोसाइटी सीज़न 2 शामिल हैं। इसके अलावा वह कुछ और अनाउंस न हुए प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं।

दलदल के सेट पर समारा तिजोरी ने भूमि पेडनेकर को किया इंप्रेस

मच अवेटेड साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल में भूमि सतीश पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज़ खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं। भूमि ने कहा,समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके करियर की बस शुरुआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा,मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं। 'दलदल में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक सीरियल किलर आदित्य रावल की तलाश में है। वहीं समारा तिजोरी एक ईमानदार पत्रकार के किरदार में कहानी में नए

मोड़ और रोमांच जोड़ती हैं। दर्शक जहां भूमि के दमदार रोल को लेकर उत्साहित हैं, वहीं समारा की परफॉर्मेंस को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं। 21 जनवरी को 'दलदल का ट्रेलर रिलीज़ किया गया, जिसमें बेरहमी से की गई हत्याओं और एक सीरियल किलर की डरावनी सोच को दिखाया गया है। यह सीरीज़ विश धमीजा की किताब भेंडी बाजार पर आधारित है और इसे अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है। इसके निर्माता विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी हैं। 'दलदल 30 जनवरी 2026 को क्कहृद्बद्वद्ग ङ्क्षद्बस्रद्गश पर भारत और दुनिया के 240 देशों में रिलीज़ होगी।

ताहा शाह बदुशा ने साझा किया भावुक नोटः फैंस के अटूट प्यार के लिए जताया आभार

हीरामंडी और पारो स्टार ताहा शाह बदुशा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक बेहद भावनात्मक और दिल को छू लेने वाला पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने फैंस को उनके सफर में लगातार साथ देने के लिए धन्यवाद कहा है। फिलहाल एक कैंडिड तस्वीर के साथ लिखे गए इस रिफ्लेक्टिव कैप्शन ने कई लोगों के दिलों को छू लिया है, जिसमें ताहा ने यह खूबसूरती से बताया कि उनका यह सफर कभी भी अकेले का नहीं रहा। अपने नोट में ताहा ने लिखा है, मैंने यह सफर कभी अकेले तय नहीं किया क्योंकि यह कभी सिर्फ मेरा था ही नहीं।ताहा शाह बदुशा द्वारा लिखे गए ये शब्द फैंस के बीच तुरंत गूंजने लगे। सिर्फ यही नहीं इन शब्दों के साथ उन्होंने कैंपस विज़िट्स के दौरान बिताए पलों का ज़िक्र करते हुए यह भी लिखा कि वहां तालियों की गूंज, सेल्फी और उत्साह से भरे चेहरे उन्हें अपने ही युवा रूप की याद दिलाते हैं, जो उम्मीदों से भरा था, थोड़ा बेचैन था,

लेकिन सपनों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं था। ताहा के मुताबिक, ऐसे पल उन्हें यह एहसास कराते हैं कि उनका सपना अब सिर्फ उनका नहीं रहा। उन्होंने आगे लिखा, जो कभी एक अकेले का सपना था, आज कई लोगों का हो गया है। सपने वही हैं, बस टाइमलाइन अलग है।इन शब्दों के जरिए उन्होंने अपने और अपने फैंस के बीच मौजूद साझा संघर्षों और आकांक्षाओं को बेहद सादगी से बयान किया।

What Indian officials gifted US counterparts in 2024, Silver train set, pashmina shawl & more

NEW DELHI, Agency: The US State Department released a compilation of gifts presented by PM Modi and other Indian government officials to US leaders. The Office of the Chief of Protocol, Department of State, submitted this comprehensive listing of "gifts received from foreign government sources" for the calendar year 2024.

Under law, federal employees must file these reports for gifts of more than minimal value, which for 2024 is $480.00. The report states that the "non-acceptance would cause embarrassment to donor and US."

The listings include several items presented by PM Modi to former US President Joe Biden. On September 10, 2023, during Biden's travel to New Delhi for the G20 Leaders' Summit, he was gifted a "Wood Chest, Scarf, Saffron with Jar, Wood Box for Tea" with an estimated value of $562.

The chest, scarf, jar, and box were transferred to the US National Archives (NARA) while the saffron and tea were "disposed of pursuant" to Secret Service policies. On July 16, 2024, PM Modi also presented Biden with a "Sterling Silver Metal Train Set" with an estimated value of $7,750, which has been transferred to the National Archives. Other members of the administration received gifts as well. Former First Lady Jill Biden received a "Pashmina Shawl" from PM Modi on October 21, 2024, valued at USD 2,969. Former Vice President Kamala Harris received a "Lord Krishna Raas Leela Silver Box" on October 18, 2024, valued at $1,330, while her husband Douglas Emhoff received cufflinks estimated at $585.65. These items were all transferred to the National Archives. Additionally, national security advisor Ajit Doval gifted Jacob Sullivan a "Kashmir Pashmina Scarf with Box" on August 23, 2024, with an estimated value of $599.00, which was "Transferred to GSA."

SIR logical discrepancy: SC's West Bengal order effective all-India

New Delhi, Agency: Supreme Court on Thursday asked the Election Commission to implement in Tamil Nadu the court directed procedure for submission of documents by voters flagged under 'logical discrepancy' category during Special Intensive Revision of West Bengal electoral rolls, prompting the EC to request the SC to extend it to all states undergoing SIR of voter lists.

A bench of Chief Justice Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi, dealing with petitions by politicians from ruling DMK party, said the names of voters categorised under 'logical discrepancies' by EC would be displayed at public places, panchayat and taluk offices along with the reasons for such categorisation and documents required to be furnished by them.

"The person receiving the documents from voters would issue a receipt. However, hearing of voters for inclusion of their names in electoral rolls would be conducted at taluka level officers," the bench said and directed the TN govt to provide adequate staff to the EC to carry out the task.

'They won't stop imposing it'

DMK's Kanimozhi flags station signboard in Hindi

NEW DELHI, Agency: Tamil Nadu's ruling party, the DMK, once again raised objections to the use of Hindi in non-Hindi regions. DMK leader and MP Kanimozhi flagged what she termed the "imposition" of Hindi after responding to a post that showed Hindi being prominently used on Chennai Park railway station signboard.

Taking to social media platform X, Kanimozhi appeared to target the BJP-led Centre, which the DMK has often accused of promoting Hindi at the expense of regional languages. In her post, written in Tamil, she said, loosely translated: "It began in Kallakurichi and continues to Chennai Poonthottam. They will not stop imposing it. Nor will we cease resisting it."

The BJP-led central government and the DMK government in Tamil Nadu have long been at odds over the language issue, with chief minister MK Stalin and his party repeatedly opposing what they describe as the imposition of Hindi from the North and with the support of Centre.

Language politics is expected to play a key role in shaping electoral prospects in Tamil Nadu, which is heading for assembly elections to its 234-seat legislature. Neighbouring Puducherry, a Union Territory where Tamil is an official language, is also preparing for assembly polls.

'Wasn't meant to fly that day'

How last-minute change turned fatal for Capt Sumit Kapoor, pilot of Ajit Pawar's plane

Mumbai, Agency: Captain Sumit Kapoor, one of the pilots aboard the doomed jet that crashed in Maharashtra's Baramati on Wednesday, was not supposed to fly the plane on the day of the accident, his friends reportedly said.

Kapoor was the pilot-in-command on the Learjet 45 plane that crashed, killing him, deputy chief minister Ajit Pawar, his security officer Vidip Jadhav, first officer Captain Shambhavi Pathak and flight attendant Pinky Mali.

Kapoor's friends were quoted as saying by NDTV that he was not scheduled to fly the plane and was filling in for a pilot who got stuck in traffic.

Amid speculation over what may have led to the deadly crash, Kapoor's friends backed him and his flying skills. One of them even said that Kapoor's son and son-in-law were both pilots.

Kapoor had a flying experience of 15,000 hours, according to news agency PTI. The 62-year-old hailed from Delhi's Rajouri Garden and was one of the two pilots aboard the plane that crashed in Baramati.

Sumit is survived by his wife Cheena, their son Shiv and daughter Sanya. "Sumit was extremely passionate about flying," the family's neighbour earlier told HT on anonymity. "He flew several politicians and celebrities in the last two years... He was very experienced and did not have any airs about flying famous people."

Wednesday morning came as a big shock to the country as one Learjet 45 aircraft -- operated by Delhi-based VSR Ventures Pvt. Ltd and registered as VT-SSK, crashed in Maharashtra's Baramati, killing NCP leader Ajit Pawar and four others, including Kapoor. The plane made two landing attempts, according to a release by the civil aviation ministry. While it struggled to spot the runway at first, the plane was granted clearance for landing by the ATC on ground after it confirmed that visual contact had been established.

Errors detected: NHAI refunds toll in 18L cases

New Delhi, Agency: NHAI has refunded toll charges in 17.7 lakh cases between Jan and Dec 2025 for incorrect deductions and in nearly 35% of these cases, the vehicles were not at the toll plaza when the user fee was debited from FASTag wallet.

Considering that such transactions happen due to manual entry of vehicle details by toll operators because of some issue, the road transport ministry is mulling doing away with this option completely.

In a written reply, Union road transport minister Nitin Gadkari informed the Lok Sabha Thursday that National Payment Corporation of India (NPCI), which provides the Central Clearing House (CCH) services of electronic toll collection, "has reported 17.6 lakh transactions where refunds were made due to incorrect user fee (toll) deductions from Jan-2025 to Dec-2025 out of a total of 464 crore FASTag transactions". This is barely 0.03% of all FASTag transactions.

An official said, "Though the number of faulty transactions is miniscule, this shouldn't happen. A decision will be likely taken soon on stopping the practice of manually feeding vehicle registration numbers in the system to deduct toll. In such cases, there is a possibility of the toll attendants noting down wrong details. This becomes an unnecessary hassle for commuters."

The ministry said that with the implementation of FASTag, the average time taken to cross toll plaza has reduced to 40 seconds compared with the earlier 12.2 minutes per vehicle under the manual tolling system.

In a separate written reply to a question on the total toll collection, the road transport ministry said in the past three quarters of the financial year 2025-26, Rs 50,195 crore was collected as user fee across the national highway and expressway network.

During the entire last financial year, Rs 61,508 crore was collected as toll, the ministry further said.

Anti-terror ops against Jaish terrorists underway in J&K, internet suspended in Kishtwar

Shri Nagar, Agency: Security forces launched an anti-terror operation to neutralize Jaish terrorists in Jammu and Kashmir's Kishtwar on Thursday, following which, the internet services in the area were suspended.

No contact has been made with terrorists so far. Searches are going on in Chatroo area's Singpura, Arigam Dwathar and Naidgam.

This fresh operation against terrorists linked with Jaish-e-Mohammad (JeM) comes just a week after a Pakistani terrorist, who was also linked with Jaish, was killed in a gunfight with security forces in Jammu and Kashmir's Kathua district on Friday, according to police.

The security forces had launched a joint operation to neutralise terrorists and an encounter broke out in Billawar area, during which the terrorist was killed, according to Jammu range inspector general of police Bhim Sen Tuti.

The terrorist was identified as Usman from Pakistan, said Kathua senior superintendent of police Mohita Sharma. "Security forces have recovered US made M4 carbine and some arms and ammunition from him," Sharma added, as earlier reported by Media.

Amid row, three Rahman songs in Beating Retreat

New Delhi, Agency: As Republic Day celebrations drew to a close with the Beating Retreat ceremony, Vijay Chowk reverberated with three of composer AR Rahman's iconic songs - Oscar-winning 'Jai ho', 'Bharat humko jaan se pyaara hai' and 'Ma tujhe salaam'.

Earlier this month, when asked about his absence from Hindi-film music during an interview with BBC Asian Network, Rahman said, "It might be a communal thing also... but it is not in my face". He later said that intentions could be "misundersood sometimes" and that he was grateful to the country.

While the Central Armed Police Forces band performed "Jai Ho", the Indian Navy band played 'Bharat humko...'.

The song 'Aarambh hai prachand' from the movie Gulaal was played by the Indian Army band.

Vande Mataram on its 150th anniversary and Operation Sindoor were featured prominently during the ceremony on Thursday evening, which was presided over by President Droupadi Murmu, who arrived in the ceremonial buggy. Vice-President CP Radhakrishnan, PM Narendra Modi, defence minister Rajnath Singh, Chief of Defence Staff General Anil Chauhan, and the three service chiefs were also present. The bands stood various formations that included 'Amar Jawan': a tribute to Indian Army bravehearts, 'Deva Vyuha: a battle formation referred to in Mahabharata battle formation against Bhishm Pitamah and 'Ardhachandra Vyuha': a half-moon battle formation.

LED screens placed at the venue also showed a video clip of a BrahMos missile hitting a target; instruments of several band members were wrapped with LEDs on which the logo of Op Sindoor shone. Images of Rafale, Tejas, Su-30, BrahMos, S-400 air defence system, Netra, Prachand and C-130 also played on the screens.

Later, the PM shared the glimpses from Beating Retreat 2026, saying that "performances by the various bands were memorable".

In a series of posts on X, Modi said: "Air Force Band was exceptional... They performed 'Brave Warrior', 'Twilight', 'Alert (Post Horn Gallop)' and 'Flying Star' impeccably. The Sindoor formation was brilliant!"

On the naval band, he posted, "Simply outstanding! The Naval Band's performances included 'Namaste', 'Sagar Pawan', 'Matribhumi', 'Tejasvi' and 'Jai Bharati'. The Matsya Yantra formation was flawless."